सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 223 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 27 मई 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

पुण्यतिथि पर नेहरू के योगदान को किया याद

नई दिल्ली (ए.)। देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि पर पीएम मोदी, राहुल गांधी समेत कई राजनेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने जवाहरलाल नेहरू को याद करते हुए सोशल मीडिया पर भावुक पोस्ट की। थरूर ने नेहरू को दूरदर्शी बहुमुखी व्यक्तित्व का बताया। थरूर ने पोस्ट कर कहा, 'जवाहरलाल नेहरू के जीवन का विश्लेषण और लेखन करते हुए दशकों बिताने के बाद, जिस यात्रा के फलस्वरूप मैंने 2003 में उनकी जीवनी ' नेहरू: द इन्वेंशन ऑफ इंडिया ' लिखी, मैं उनकी विरासत की चिरस्थायी प्रासंगिकता से अत्यंत प्रभावित हूं।

202 करोड़ का जुर्माना रद्द, अमेजन को मिली राहत

नई दिल्ली (ए.)। सुप्रीम कोर्ट से बुधवार को ई-कॉमर्स क्षेत्र की दिग्गज अमेरिकी कंपनी अमेजन को बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने नेशनल कंपनी लॉ अपीलेट ट्रिब्यूनल (एनसीएलएटी) के उस आदेश को रद्द कर दिया है, जिसने फ्यूचर ग्रुप के साथ अमेजन के निवेश सौदे पर लगे एंटी-ट्रस्ट निलंबन के खिलाफ उसकी अपील खारिज कर दी थी। यह फैसला बुधवार को न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने सुनाया। सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) के 17 दिसंबर 2021 के उस आदेश को भी पलट दिया है, जिसमें अमेजन पर 202 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया था। इसके साथ ही सीसीआई के आदेश में फ्यूचर के साथ उसका सौदा निलंबित कर दिया गया था।

योग आयोग के अध्यक्ष का हार्ट अटैक से निधन

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष रूपनारायण सिन्हा का कार्डियक अरेस्ट से निधन हो गया है। उन्हें साय सरकार में कैबिनेट मंत्री का दर्जा प्राप्त था। उनके निधन की खबर से भाजपा और राजनीतिक गलियारों में शोक की लहर है। वे तिफरा में भाजपा के 2 दिवसीय प्रशिक्षण महाअभियान कार्यक्रम में बतौर प्रभारी शामिल हुए थे। कार्यक्रम के दौरान उनकी तबीयत बिगड़ने पर उन्हें सिम्स ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पिकअप वाहन से 5 गौवंशीय पशु मुक्त, 3 गिरफ्तार

राजनांदगांव। राजनांदगाव जिले की बागनदी थाना पुलिस ने मवेशी तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक पिकअप वाहन से अवैध रूप से महाराष्ट्र ले जाए जा रहे पांच गौवंशीय पशुओं को मुक्त कराया है। मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। पुलिस ने वाहन और मवेशियों सहित कुल 7.25 लाख रुपये का मशरूका जब्त किया है।

उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व में दिखा 'ऊदबिलाव', स्वस्थ जलीय पारिस्थितिकी तंत्र की हुई पुष्टि

श्रीकंचनपथ समाचार

गरियाबंद। विश्व ऊदबिलाव दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि सामने आई है। गरियाबंद जिले के उदंती- सीतानदी टाइगर रिजर्व के जल स्रोतों में ऊदबिलाव (ओटर) की उपस्थिति दर्ज की गई है। इससे यह प्रमाणित हुआ है कि उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व का जलीय पारिस्थितिकी तंत्र स्वस्थ है और यह दुर्लभ वन्यजीवों के लिए सुरक्षित आवास बना हुआ है।

ऊदबिलाव स्वच्छ और सुरक्षित जल स्रोतों में निवास करने वाला संवेदनशील वन्यजीव है। यह नदियों, तालाबों और अन्य मीठे जल स्रोतों की गुणवत्ता का महत्वपूर्ण जैव संकेतक माना जाता है। इसकी उपस्थिति किसी क्षेत्र के पर्यावरणीय संतुलन और जैव विविधता की समृद्धि को दर्शाती है।

विश्वभर में ऊदबिलाव की 13 प्रजातियां पाई जाती हैं, जिनमें से भारत में तीन यूरेशियन ऊदबिलाव, स्मूद-कोटेड ऊदबिलाव और एशियाई स्मॉल-क्लॉड ऊदबिलाव प्रजातियां पाई जाती हैं। छत्तीसगढ़ में इन तीनों प्रजातियों की उपस्थिति दर्ज की जा चुकी है, जो राज्य की समृद्ध जैव विविधता का प्रमाण है।

इन प्रयासों से की गई पुष्टि

प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य प्राणी) अरुण कुमार पाण्डेय के मार्गदर्शन तथा वन विभाग एवं छत्तीसगढ़ विज्ञान सभा के संयुक्त शोध प्रयासों से संभव हुई है। गरियाबंद वनमंडल के डीएफओ वरुण जैन के सहयोग से लगाए गए कैमरा ट्रैप में ऊदबिलाव के विचरण के स्पष्ट चित्र प्राप्त हुए हैं।

विश्व ऊदबिलाव दिवस का उद्देश्य

हर वर्ष 27 मई को विश्व ऊदबिलाव दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य ऊदबिलाव प्रजातियों के संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना और उनके सामने मौजूद खतरों की ओर ध्यान आकर्षित करना है।

एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट ने दिया हर सवाल का जवाब, बताया प्रक्रिया वैध, संविधान के भी अनुरूप

मतदाता सूची से नाम काटने का मतलब नागरिकता छीनना नहीं है : कोर्ट

नई दिल्ली (ए.)। एसआईआर प्रक्रिया के खिलाफ उठ रहे हर सवालों का सुप्रीम कोर्ट ने आज जवाब दे दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में साफ कहा कि एसआईआर की प्रक्रिया पूरी तरह से वैध है और यह संविधान की कसौटी पर भी खरा उतरती है। सुप्रीम कोर्ट एसआईआर कराने की वैधता के खिलाफ दायर याचिकाओं की सुनवाई कर रहा था।

अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा है कि एसआईआर कराना चुनाव आयोग के अधिकार क्षेत्र में आता है। साथ ही ये भी कहा कि देश में मुक्त और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए सांविधानिक अनिवार्यता की शर्त को भी एसआईआर पूरा करता है। आइए जानते हैं कि सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में क्या कहा और इस फैसले की बड़ी बातें कौन-कौन सी हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि चुनाव आयोग द्वारा एसआईआर कराना पूरी तरह से वैध है और यह आयोग के अधिकार क्षेत्र में आता है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि संविधान के अनुच्छेद 324, लोक प्रतिनिधित्व कानून 1950 में चुनाव आयोग को एसआईआर कराने की शक्ति दी गई है। ऐसे में ये नहीं कह सकते कि चुनाव आयोग ने अपनी वैधानिक शक्तियों के बाहर जाकर एसआईआर कराया।

अदालत ने ये भी साफ किया कि अगर आयोग को लगता है कि कोई व्यक्ति मतदाता सूची में शामिल होने की वैधानिक शर्तें पूरी नहीं करता है तो आयोग उस व्यक्ति को सक्षम प्राधिकारी के पास भेज सकता है। मतदाता सूची से कोई भी नाम हटाना सक्षम प्राधिकारी द्वारा किए गए फैसले पर निर्भर होगा। चुनाव आयोग जिन लोगों की नागरिकता पर संदेह जताता है, उनकी जानकारी 4 सप्ताह के भीतर सक्षम प्राधिकरण को दे। सक्षम प्राधिकरण अगले चुनाव से पहले तक उनके बारे में निर्णय ले।

नागरिकता की जांच

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि चुनाव आयोग के पास शक्ति है कि वे मतदाता सूची के उद्देश्य के लिए नागरिकता की भी जांच कर सकता है। हालांकि ये अधिकार सिर्फ मतदाता सूची संशोधन तक सीमित है। लोक प्रतिनिधित्व कानून की धारा 16 के तहत चुनाव आयोग को यह अधिकार दिया गया है।

नागरिकता पर असर नहीं

फैसले में मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि यह नहीं माना जा सकता कि एसआईआर का उद्देश्य लोगों को मतदाता सूची से बाहर करना था। अगर कोई दस्तावेज सही नहीं पाया जाता है, तो चुनाव आयोग मतदाता सूची में नाम शामिल करने से इनकार कर सकता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आयोग नागरिकता तय कर रहा है।

स्टेट बैंक में 2 करोड़ की धोखाधड़ी कैशियर के खिलाफ चार्जशीट पेश

श्रीकंचनपथ समाचार

बिलासपुर। स्टेट बैंक के रिकॉर्ड और खातों में छेड़छाड़ कर 2 करोड़ 6 लाख 37 हजार रुपए गबन करने वाली कैशियर तेजवथ थीरापतम्मा के खिलाफ एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने कोर्ट में चार्जशीट पेश कर दिया है। जिसमें उन्हें बैंक के ग्राहकों के खातों में जमा रुपए और बैंक के बही खातों में हेराफेरी कर गबन करने के लिए दोषी माना गया है।

चार्जशीट में जांच एजेंसी ने बताया कि, आरोपी ने महज 14 दिन में बैंक के इंटरनल सिस्टम में फर्जी एंट्री कर करोड़ों रुपए थर्ड पार्टी खातों में ट्रांसफर कर दिए। मामले में बाकी संदिग्धों और सह-आरोपियों की भूमिका की जांच जारी है।

दरअसल, बिल्हा स्थित एसबीआई शाखा में 19 दिसंबर 2024 से 2 जनवरी 2025 के बीच महज 15 दिनों में 2 करोड़ 6 लाख 37 हजार 600 रुपए रहस्यमय तरीके से गायब हो गए।

जब शाखा प्रबंधक पीयूष बारा को इसकी भनक लगी, तब उन्होंने इसकी विभागीय जांच की। जांच में पता चला कि कैशियर तेजवथ थीरापतम्मा पर बैंक के कैश की देखरेख की जिम्मेदारी थी, जिन्होंने इतनी बड़ी रकम का गबन किया है। बारा ने इसकी शिकायत एसीबी में की, तब मामले में जांच शुरू की गई। कैशियर थीरापतम्मा 8 महीने तक फरार हो गईं।

कथित फाइनेंस अफसर के कहने पर किया निवेश!

शुरूआती जांच में आरोपी ने रखरखाव में खर्च करने की बात कही। केवल रखरखाव में इतनी बड़ी रकम खर्च करने और बैंक में जमा राशि को उनके द्वारा निजी खातों में ट्रांसफर करने के सवाल पर कैशियर गोलमोल जवाब देने लगी। एसीबी की पूछताछ में कैशियर ने बताया कि उन्हें टेलीग्राम पर फाइनेंशियल ऑफिसर के नाम पर मेसेज आया था, जिसमें रकम इन्वेस्ट करने पर 2 गुना फायदा होने का दावा किया गया। इस लालच में आकर कैशियर ने बैंक की जमा राशि को कथित फाइनेंशियल ऑफिसर के बताए अकाउंट नंबर पर ट्रांसफर करती रहीं। एसीबी इसकी भी जांच कर रही है।

राज्य में हीटवेव का ताण्डव : चमगादड़ों के बाद अब मोरों की भी मौत; दो दिन में बारिश की भी संभावना

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। नौतपा के बीच छत्तीसगढ़ के अधिकांश इलाकों में हीटवेव की स्थिति बनी हुई है। मंगलवार को खैरागढ़ जिले के दल्लीखोली-लछना जंगल में मोर और पाम सिवेट समेत कई वन्यजीव मृत मिले। इससे पहले कोरबा से बड़ी संख्या में चमगादड़ों की मौत की खबर आई थी।

डीएफओ पंकज राजपूत ने आशंका जताई है कि भीषण गर्मी और हीट स्ट्रोक के चलते इनकी मौत हुई हो। वहीं, कांकेर जिले के सरोना गांव में लू से करीब 500 चमगादड़ मर गए। 2 दिन पहले कोरबा के पाली में भी करीब 200 चमगादड़ मृत मिले थे।

मौसम विभाग के मुताबिक, हीटवेव 2 दिनों तक बना रहेगा। 29 मई से आंधी बारिश और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना है। हालांकि इस दौरान तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा। वहीं, रायपुर में आज पारा 45 डिग्री के पार जा सकता है।

ईद-उल-जुहा का अवकाश अब 28 मई को

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन ने ईद-उल-जुहा (बकरीद) के अनिवार्य सार्वजनिक अवकाश की तिथि में आंशिक संशोधन किया है। पूर्व में जारी अधिसूचना के तहत ईद-उल-जुहा (बकरीद) का सार्वजनिक अवकाश 27 मई 2026, बुधवार को घोषित किया गया था। उक्त आदेश में संशोधन करते हुए बकरीद का सार्वजनिक एवं सामान्य अवकाश 27 मई के स्थान पर 28 मई 2026, गुरुवार को घोषित किया है।

ईद : डीजे और खुले में कुर्बानी पर रोक, शिफ्ट में होगी नमाज

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में इस बार ईद-उल-अजहा यानी बकरीद को लेकर प्रशासन और वक्फ बोर्ड अलर्ट मोड पर है। त्योहार के दौरान कानून व्यवस्था, सामाजिक सौहार्द और स्वच्छता बनाए रखने के लिए वक्फ बोर्ड ने राज्यभर में सख्त गाइडलाइन जारी की है।

निर्देशों के अनुसार खुले स्थानों पर कुर्बानी, डीजे बजाने और धार्मिक आयोजनों में नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। जबकि नमाज शिफ्ट में अदा की जाएगी।

छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सलीम राज ने भी स्पष्ट किया कि पिछले साल से ही नमाज शिफ्ट में अदा की जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि नियम तोड़ने पर 50 हजार रुपए तक का जुर्माना लगाया जा सकता है।

वक्फबोर्ड ने स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक स्थानों, सड़कों, मैदानों और खुले इलाकों में कुर्बानी की अनुमति नहीं होगी। कुर्बानी केवल अधिकृत स्लॉटर हाउस या निजी परिसरों के भीतर ही की जा सकेगी। यह व्यवस्था स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखने और अन्य समुदायों की भावनाओं का सम्मान करने के उद्देश्य से लिया गया है।

फ्लाइट पड़ेगा महंगा, एयर इंडिया और इंडिगो में संख्या घटाने की तैयारी, 3 महीने तक यही स्थिति

नई दिल्ली (ए.)। ईरान युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमत में काफी तेजी आई है। विमान ईंधन यानी एटीएफ भी महंगा हो गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एयर इंडिया और इंडिगो 1 जून से घरेलू उड़ानों की संख्या में कटौती करने की तैयारी में है। यह कटौती 90 दिन तक रह सकती है। सूत्रों का कहना है कि एटीएफ की कीमत बढ़ने के साथ-साथ गर्मियों में डिमांड में भी कमी आई है। इससे आने वाले दिनों में हवाई यात्रा और महंगी हो सकती है।

इंडिगो देश की सबसे बड़ी एयरलाइन है। इंडिगो और एयर इंडिया की भारत के एविएशन मार्केट में 90 फीसदी से ज्यादा हिस्सेदारी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक एयर इंडिया घरेलू ऑपरेशंस में 15 फीसदी तक कमी कर सकती है जबकि इंडिगो अपनी उड़ानों की संख्या में 5 से 7 फीसदी तक की कटौती कर सकती है। एयर इंडिया के सूत्र ने कहा कि एयरलाइन हर हफ्ते औसतर 3,800 फ्लाइट्स ऑपरेट करती है। घरेलू उड़ानों के लिए एटीएफ की कीमत 80,000 रुपये प्रति किलोलीटर थी जो अब एक लाख रुपये से ऊपर पहुंच चुकी है। ऐसी स्थिति में फ्लाइट्स ऑपरेट करना फायदे का सौदा नहीं है।

राजनांदगांव में 3500 घरों में लगे रूफटॉप सोलर पैनल

- शहर बना सौर ऊर्जा मॉडल, 2406 उपभोक्ताओं के खातों में पहुंची सब्सिडी
- सौर ऊर्जा क्रांति तेज का नया मॉडल बनकर उभरी संस्कारधानी

श्रीकंचनपथ समाचार

राजनांदगांव। राजनांदगांव, मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी तथा खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिलों में हजारों परिवार अब अपने घरों की छतों पर सोलर प्लांट लगाकर न केवल स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन कर रहे हैं, बल्कि बिजली बिलों में भी बड़ी राहत प्राप्त कर रहे हैं। कई उपभोक्ताओं बिजली बिल अब शून्य हो चुके हैं।

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के कार्यपालक निदेशक शिरीष सेलट ने बताया कि अब तक तीनों जिलों से कुल 6 हजार 52 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 6 हजार 45 आवेदकों की औपचारिकताएं पूर्ण हो चुकी हैं तथा 5 हजार 670 उपभोक्ताओं ने अपने वेंडर का चयन भी कर लिया है।

राजनांदगांव जिला में 2 हजार 899 घरों में कुल अनुमानित सक्रिय प्लांट लगभग 3,500, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले में 401 घरों में और मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी जिले के 181 घरों में उपभोक्ताओं को त्वरित स्वीकृति, नेट मीटरिंग तथा सब्सिडी का लाभ उपलब्ध कराने के लिए बिजली कंपनी द्वारा विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। अब तक 2 हजार 406 उपभोक्ताओं को केंद्र एवं राज्य सरकार की ओर से मिलने वाली सब्सिडी राशि सीधे उनके बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित की जा चुकी है।

ईरान ने 10 भारतीय नाविकों को छोड़ा, जल्द स्वदेश लाने की तैयारी

नई दिल्ली। ईरान ने एमवी हार्बर फीनिक्स केस से जुड़े 10 भारतीय नाविकों को रिहा कर दिया है। ईरान ने इन भारतीय नागरिकों को जुलाई, 2025 में तेल टैंकर एमवी हार्बर फीनिक्स से हिरासत में ले लिया था। भारत की ओर से लंबी कूटनीतक कोशिशों के बाद इन नाविकों की रिहाई हो पाई है और अब इन्हें स्वदेश लाए जाने की तैयारी शुरू हो गई है। जहाजरानी मंत्रालय के डायरेक्टोरेट जनरल की ओर से जारी एक बयान में रिहाई की विस्तृत जानकारी दी।

मरवाही की श्रवण बाधित पूजा को मिला डिजिटल श्रवण यंत्र, अब पूरा कर सकेंगी पीएचडी का सपना

श्रीकंचनपथ समाचार

मरवाही। गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिला के वार्ड क्रमांक 1 की झुग्गी में रहने वाली पूजा साहू को समाज कल्याण विभाग ने दो डिजिटल श्रवण यंत्र प्रदान किये हैं। 75 प्रतिशत श्रवण बाधित पूजा ने आर्थिक अभाव, सुनने में कठिनाई और सीमित संसाधनों के बीच भी कभी हार नहीं मानी।

पूजा ने लगातार पढ़ाई जारी रखी और नेट परीक्षा उत्तीर्ण कर ली। उनका लक्ष्य पीएचडी कर शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाना है। लेकिन श्रवण संबंधी समस्या और आर्थिक कठिनाइयां उनके रास्ते की बड़ी बाधा थीं।

मदद की उम्मीद लेकर पूजा

समाज कल्याण विभाग पहुंचीं। उनकी स्थिति और संघर्ष को समझते हुए समाज कल्याण विभाग ने 26 जून को उन्हें 2 नग डिजिटल श्रवण यंत्र प्रदान किए। श्रवण यंत्र मिलते ही सुश्री पूजा के चेहरे पर खुशी की चमक दिखाई दी। अब वे अपनी पढ़ाई, संवाद और शोध कार्य को और बेहतर तरीके से आगे बढ़ा सकेंगी।

इसके साथ ही समाज कल्याण विभाग ने पूजा को अशासकीय समाजसेवी संस्था प्रगति सेवा संस्था में सामाजिक कार्यकर्ता के पद पर नियुक्त करने में सहयोग किया। अब उन्हें प्रतिमाह 10 हजार रुपये मानदेय प्राप्त होगा। यह रोजगार उनके लिए आर्थिक संबल के साथ-साथ आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता का नया माध्यम बनेगा।

भावुक होकर सुश्री पूजा साहू ने समाज कल्याण विभाग और जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सहयोग उनके लिए किसी नए जीवन से कम नहीं है। उन्होंने कहा कि अब वे अपने सपनों को पूरा करने के साथ समाज के अन्य दिव्यांगजनों के लिए भी प्रेरणा बनना चाहती हैं।

संपादकीय

न्यायसंगत आरक्षण

क्रीमी लेयर को अलग करने की पहल

हाल ही में भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई द्वारा अनुसूचित जाति आरक्षण के लिए क्रीमी लेयर सिद्धांत का समर्थन करने से एक महत्वपूर्ण तार्किक चर्चा फिर से प्रारंभ हो गई है। जिसका मकसद है कि कैसे सकारात्मक पहल करके आरक्षण के उद्देश्य को अधिक न्यायसंगत, लक्षित और प्रभावी बनाया जा सकता है। वास्तव में उनकी पहल का मकसद संवैधानिक सुरक्षा को कमजोर करने का नहीं है। बल्कि यह सुनिश्चित करने का प्रयास है कि आरक्षण का लाभ उन लोगों तक पहुंचे, जिन्हें वास्तव में इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है। यानी कि अनुसूचित जाति समुदाय के सबसे गरीब, सामाजिक रूप से सबसे अधिक वंचित और आरक्षण के लाभ में सबसे कम प्रतिनिधित्व करने वाले वर्ग को लाभ पहुंचाने का मकसद पूरा करना। बहुत संभव है कि मुख्य न्यायाधीश के इस विचार से असहमति के तर्क दिये जाएं। वास्तव में, देश में दशकों से आरक्षण की बहस कोटा बढ़ाने पर केंद्रित रही है, लेकिन उनके न्यायसंगत वितरण की दिशा में पर्याप्त पहल नहीं हो पायी है। निर्विवाद रूप से अनुसूचित जाति समुदाय के एक छोटे, अपेक्षाकृत बेहतर आर्थिक-सामाजिक स्थिति वाले वर्ग ने ही बार-बार शिक्षा और सरकारी रोजगार के अवसरों का लाभ उठाया है। वहीं दूसरी ओर पीढ़ी दर पीढ़ी अभावों के भंवर-जाल में फंसे परिवार- मसलन श्रमिक, सफाई कर्मचारी, भूमिहीन मजदूर परिवार लगातार हाशिये पर ही बने हुए हैं। यदि आरक्षण का मूल उद्देश्य संरचनात्मक असंतुलन को ही ठीक करना है तो इसके लाभ सीमित दायरे के लोगों को ही नहीं मिलना चाहिए। उल्लेखनीय है कि ओबीसी वर्ग के लिये यह प्रावधान सफलतापूर्वक लागू किया जा चुका है। इसमें दो राय नहीं कि क्रीमी लेयर का सिद्धांत आरक्षण लाभ में इस तरह के एकाधिकार को रोकने का एक सशक्त साधन है। इस प्रावधान का वंचित अनुसूचित जातियों तक विस्तार करना एक बुनियादी सच्चाई को स्वीकार करता है कि सामाजिक गतिशीलता, हालांकि सीमित स्तर पर कुछ ही लोगों के लिये संभव हुई है। साथ ही अवसरों के अधिक न्यायसंगत वितरण को सुनिश्चित करने के लिये नीति को अनुकूलित किया जाना वक्त की जरूरत है।

> “ वास्तव में, देश में दशकों से आरक्षण की बहस कोटा बढ़ाने पर केंद्रित रही है, लेकिन उनके न्यायसंगत वितरण की दिशा में पर्याप्त पहल नहीं हो पायी है। निर्विवाद रूप से अनुसूचित जाति समुदाय के एक छोटे, अपेक्षाकृत बेहतर आर्थिक-सामाजिक स्थिति वाले वर्ग ने ही बार-बार शिक्षा और सरकारी रोजगार के अवसरों का लाभ उठाया है। वहीं दूसरी ओर पीढ़ी दर पीढ़ी अभावों के भंवर-जाल में फंसे परिवार- मसलन श्रमिक, सफाई कर्मचारी, भूमिहीन मजदूर परिवार लगातार हाशिये पर ही बने हुए हैं।

वास्तव में वर्तमान स्थिति आरक्षण के न्यायसंगत लाभ वंचित वर्ग तक पहुंचाने में तार्किक नजर नहीं आती। जब किसी आईएएस अधिकारी या वरिष्ठ अधिकारी का बच्चा सामाजिक रूप से हाशिये पर गए वर्ग के किसी व्यक्ति के मुकाबले समान लाभों का दावा करना जारी रखता है तो इससे लक्षित उद्देश्य कमजोर हो जाता है। महत्वपूर्ण बात यह है कि क्रीमी लेयर को बाहर करने पर उनके जातिगत भेदभाव होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता है। लेकिन यह केवल यही दर्शाता है कि किसी भी ऐतिहासिक रूप से उत्पीड़ित समूह के भीतर, वंचितता की स्थिति अलग-अलग होती है। ऐसी अवस्था में, सबसे निचले स्तर के लोग राज्य के संरक्षण पाने के लिये प्राथमिकता के हकदार हैं। निश्चित रूप से स्पष्ट मानदंड, सामाजिक पिछड़ेपन का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करने और दुरुपयोग को रोकने के लिये कारगर सुरक्षा उपाय होने चाहिए। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की टिप्पणी इस बात की ही परिचायक है कि सामाजिक न्याय का विस्तार होना चाहिए। अनुसूचित जातियों के आरक्षण से क्रीमी लेयर को सोच-समझकर बाहर करने से समानता के संवैधानिक वायदे की पुष्टि हो सकती है। इस पहल के विरोध में यह तर्क दिया जा सकता है यदि अनुसूचित जाति वर्ग के आरक्षण के उपवर्गीकरण को मान्यता दी जाती है, तो पहले इससे लाभान्वित लोगों को सुरक्षा कवच न मिल सकेगा। उनका तर्क हो सकता है कि कई बार आरक्षित वर्ग के किसी व्यक्ति को उच्च पद पर पहुंच जाने के बावजूद किसी भेदभाव व उपेक्षा का सामना करना पड़ सकता है। निस्संदेह, इस कथन की तार्किकता विचारणीय है। लेकिन इसका एक निष्कर्ष यह भी हो सकता है कि सामाजिक विसंगति और आर्थिक विषमता दूर करने का एकमात्र साधन आरक्षण ही नहीं हो सकता है। यहां यह भी विचारणीय होना चाहिए कि कई पीढ़ियों से आरक्षण लाभ पा चुके लोग, स्वेच्छा से उसका परित्याग करें तो इस दिशा में धनात्मक वातावरण बन सकता है। निश्चित रूप से ऐसे कदमों से मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की सकारात्मक पहल को संबल मिल सकेगा।

एआई का जनजातीय भाषाओं में संवाद

रंजना चोपड़ा

हमारे देश भर में फैले जंगलों, पहाड़ियों और दूरदराज की बस्तियों में, एक शांत लेकिन सफल परिवर्तन चल रहा है। जनजातीय समुदाय लंबे समय से भारत की विकास गाथा के केंद्र में अपने उचित स्थान का इंतजार कर रहे थे। आज वे राष्ट्र की प्रगति के सक्रिय वास्तुकार के रूप में उभर रहे हैं। जनजातीय गरिमा उत्सव की यही भावना है: विकसित भारत की यात्रा का एक राष्ट्रीय उत्सव, जहां प्रगति भूगोल या परिस्थिति का विशेषाधिकार नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक का समान रूप से अधिकार है।

महत्वाकांक्षा का पैमाना

यह समझने के लिए कि प्रौद्योगिकी जनजातीय विकास के लिए अपरिहार्य क्यों हो गई है, किसी को पहले चुनौती की व्यापकता को समझना चाहिए। प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम-जनमन), धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान (डीएजेजीयूए), राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन और संबंधित पहलों में 549 जिलों और 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 2,911 ब्लॉकों के 63,000 से अधिक गांवों को शामिल किया गया है, जिससे 5.5 करोड़ से अधिक आदिवासी नागरिक लाभान्वित हुए हैं। विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) पर विशेष ध्यान देने के साथ, इन प्रयासों का उद्देश्य आवास, पेयजल, स्वच्छता, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, कनेक्टिविटी और आजीविका जैसी आवश्यक सेवाओं का सम्पूर्ण कवरेज सुनिश्चित करना है। इस तरह के विविध और विस्तृत इलाके में हर परिवार तक पहुंचने के लिए ऐसी प्रणाली की आवश्यकता होती है जो डेटा-संचालित, कनेक्टेड और उत्तरदायी होती है और यही हम तैयार कर रहे हैं।

इस वर्ष जनजातीय गरिमा उत्सव का आयोजन लगभग चार विषयगत सप्ताह के आसपास किया जा रहा है, जो एक साथ जनजातीय विकास के पूर्ण आयाम को दर्शाते हैं। उद्घाटन का विषय, विकास के एक वाहक के रूप में प्रौद्योगिकी, इस बात को दर्शाता है कि कैसे डिजिटल सिस्टम, विज्ञान और नवाचार भारत के कुछ दूरस्थ समुदायों तक शासन और अवसर का विस्तार करने में मदद कर रहे हैं। इस दृष्टिकोण के केंद्र में एक सरल सिद्धांत निहित है: जनजातीय भाषाओं, संस्कृतियों, विरासत और पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों का पर्याप्त सम्मान करते हुए विकास को अंतिम दूरी तक पहुंचना चाहिए।

प्रौद्योगिकी द्वारा जनजातीय गरिमा को बढ़ावा

उद्देश्य के साथ निर्देशित होने पर प्रौद्योगिकी क्या हासिल कर सकती है, इसका सबसे ज्वलंत उदाहरण बिरसा 101 यानी सिकल सेल रोग के लिए भारत की पहली स्वदेशी सीआरआईएसपीआर-आधारित जीन थेरेपी है। सिकल सेल रोग लंबे समय से जनजातीय आबादी के लिए स्वास्थ्य की एक बड़ी चुनौती पेश कर रहा है और भारत अब समानता और पहुंच में निहित उन्नत विज्ञान के साथ उस चुनौती का जवाब दे रहा है। जनजातीय कार्य मंत्रालय ने वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर), सीएसआईआर-इंस्टीट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी (आईजीआईबी) और सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से अनुसंधान, नैदानिक परीक्षण इंफ्रास्ट्रक्चर और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण का समर्थन करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की है। सीएसआईआर-आईजीआईबी में हाल ही में एक संगोष्ठी में वैज्ञानिकों, नीति निर्माताओं और सिकल सेल योद्धाओं को एक साथ लाया गया, जो वैज्ञानिक प्रगति और प्रयासों के पीछे की मानवीय तात्कालिकता दोनों को दर्शाता है।

साझा लक्ष्य स्पष्ट है: एक किफायती, एकमुश्त उपचारात्मक उपचार विकसित करना जो जरूरतमंद हर आदिवासी परिवार तक पहुंच सके। बीआईआरएसए 101 केवल चिकित्सा के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि से भी बढ़कर है। यह एक घोषणा है कि भारत का सबसे उन्नत विज्ञान अपने सबसे पात्र समुदायों की सेवा करेगा।

यह दृढ़ विश्वास एक पहल से कहीं अधिक गहरा है। ट्रेडिशनल नॉलेज डिजिटल लाइब्रेरी (टीकेडीएल) और आयुर्जेनोमिक्स जैसे प्रयास दर्शाते हैं कि कैसे आधुनिक तकनीक आदिवासी समुदायों द्वारा लंबे समय से संरक्षित समृद्ध औषधीय और पारिस्थितिक ज्ञान के दस्तावेजीकरण, मान्यीकरण और संरक्षण में मदद कर सकती है।

समावेशन की यही भावना इस बात को आकार दे रही है कि कैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता को जनजातीय विकास के साथ जोड़ा जा रहा है। इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में, मंत्रालय ने एक सरल लेकिन दृढ विश्वास पर आधारित एआई-सक्षम प्लेटफार्मों की श्रृंखला प्रस्तुत की, जिसमें इस बात पर जोर दिया गया कि भाषा एक बाधा नहीं है जिसे दूर किया जाना है, बल्कि एक पहचान है जिसका उत्सव मनाया जाना चाहिए। आदि वाणी, जनजातीय भाषाओं के लिए एआई-संचालित अनुवादक, टेक्स्ट-टू-टेक्स्ट और टेक्स्ट-टू-स्पीच अनुवाद, ओसीआर और आदिवासी भाषाओं में सरकारी योजना की जानकारी के वितरण का समर्थन करता है, जिससे नागरिकों को घर पर बोलने वाली भाषा में सार्वजनिक सेवाओं से जुड़ने में सक्षम बनाया जाता है। ट्राइबॉट एक बहुभाषी संवादी एआई सहायक है, जो दूरदराज के क्षेत्रों में नागरिकों को तत्क्षण मार्गदर्शन और शिकायत निपटारे में सहायता प्रदान करके इस प्रयास को और मजबूत करता है। भगवान बिरसा मुंडा सेल और आईआईटी दिल्ली के साथ आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान भी इन प्रयासों पर चर्चा की गई, जो जनजातीय भाषाओं के दीर्घकालिक संरक्षण और सुदृढ़ीकरण सहित एआई के सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील और समुदाय-केंद्रित इस्तेमाल पर केंद्रित थी।

प्रौद्योगिकी सांस्कृतिक अभिकथन और आर्थिक सशक्तिकरण का एक शक्तिशाली माध्यम भी बन रही है। आगामी ट्राइबएक्स प्लेटफॉर्म का उद्देश्य जनजातीय कलाओं, भाषाओं, पारंपरिक ज्ञान, संगीत, शिल्प और सांस्कृतिक अनुभवों को बढ़ावा देने के लिए एक डिजिटल इकोसिस्टम बनाना है। इस प्रयास को पूरा करते हुए, जनजातीय भारत का प्रस्तावित जीआई संभावित कला और शिल्प एटलस भौगोलिक संकेत क्षमता के साथ जनजातीय हस्तशिल्प, वन उत्पादों और पारंपरिक कला रूपों का डिजिटल रूप से मानचित्रण करेगा, जिससे ब्रांडिंग, बाजार पहुंच और जनजातीय बौद्धिक विरासत की पहचान को मजबूत करने में मदद मिलेगी। पायलट आधार पर पांच राज्यों के जनजातीय अनुसंधान संस्थानों में इनोवेशन हब की योजना बनाई गई है, जो नवाचार के नेतृत्व वाले आदिवासी उद्यमियों और स्टार्टअप के लिए डिजाइन और उत्पाद विकास सहायता, जीआईएस-आधारित योजना डैशबोर्ड और इनक्यूबेशन इंफ्रास्ट्रक्चर को जोड़कर और आगे बढ़ेंगे।

प्रौद्योगिकी जनजातीय समुदायों तक शासन के तरीके को समान रूप से बदल रही है। पीवीटीजी घरेलू सर्वेक्षणों के लिए पीएम-जनमन के तहत सर्वेक्षण सेतु दूरदराज के क्षेत्रों में कल्याण वितरण की तत्क्षण, जियो-टैग निगरानी को सक्षम बनाता है। 18 राज्यों और 1 केंद्र शासित प्रदेश में संचालित, इस प्लेटफॉर्म ने 8,552 सर्वेक्षणकर्ताओं के समर्थन के साथ पहले ही 3.43 लाख घरेलू प्रस्तुतियां दर्ज की हैं। इस तरह की डेटा-संचालित प्रणालियां यह सुनिश्चित करने में मदद करती हैं कि प्रत्येक पात्र परिवार की पहचान की जाए और उसे आवश्यक सेवाओं से जोड़ा जाए। इसके साथ ही मंत्रालय दावा प्रस्तुतीकरण, जीआईएस-आधारित मानचित्रण, वर्कफ्लो की निगरानी और शिकायत निवारण को सुव्यवस्थित करने के लिए एक एआई-सक्षम वन अधिकार अधिनियम शासन मंच विकसित कर रहा है। साथ में, ये पहल आदिवासी नागरिकों के लिए शासन को अधिक पारदर्शी, उत्तरदायी और सुलभ बना रही हैं।

जनजातीय समुदाय: विकसित भारत के वाहक

एक क्षण ऐसा होता है, जो उस सार को पकड़ लेता है, जिसके लिए हम काम कर रहे होते हैं। यह किसी नीतिगत दस्तावेज या मंत्रिस्तरीय समीक्षा में नहीं पाया जाता है। यह तब पाया जाता है जब दूरदराज की बस्ती की एक आदिवासी महिला, तकनीक से, भाषा से सशक्त होती है और उसे इस बात का अहसास होता हो कि उसकी बात को राष्ट्र सुन रहा है। ऐसे में वह अपनी शर्तों पर सरकारी सेवाओं से जुड़ती है और पूरी गरिमा के साथ जवाब प्राप्त करती है। वह क्षण किसी यात्रा का अंत नहीं है। यह भारत की राष्ट्रीय गाथा में एक नए अध्याय की शुरुआत है।

जनजातीय गरिमा उत्सव इस संदेश को गर्व के साथ ले जाता है। जनजातीय समुदाय, अपनी दृढता, अपने पारिस्थितिक ज्ञान, अपनी कलात्मक परंपराओं और इस भूमि में अपनी गहरी जड़ों के साथ, विकसित भारत की दहलीज पर इंतजार नहीं कर रहे हैं, बल्कि वे इसके सबसे शक्तिशाली और प्रेरक वाहकों में शामिल हैं। जैसे-जैसे प्रौद्योगिकी दूरियों को पाटती है, जैसे-जैसे विज्ञान उपचार प्रदान करता है, जैसा कि एआई जंगलों और पहाड़ियों की भाषाओं में बोलता है, और जैसे-जैसे शासन सबसे दूर के गांव के अंतिम परिवार तक पहुंचता है, हम हर दिन भारत के करीब आते हैं जो न केवल व्यापकता के रूप में विकसित है, बल्कि अपनी मानवता में परिपूर्ण है। यह वह विकसित भारत है जिसे हम माननीय प्रधानमंत्री के विजन से प्रेरित होकर एक साथ मिलकर निर्मित कर रहे हैं।

(लेखिका भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय की सचिव हैं)

'25 मिनट' तकनीक से व्यक्ति सर्वश्रेष्ठ परिणाम हासिल कर सकता है

एन. रघुरामन

'सर, प्लीज बताइए कि हमारे समय को कैसे मैनेज करें?' युवा मुझसे यही एक सवाल कई बार पूछ चुके हैं। जब भी वे पूछते हैं, मैं तुरंत अपना जवाब ऐसे देता हूं कि 'माइंड को मैनेज करने के लिए आपको योग करने की जरूरत है।' और मेरी बात पूरी होने से पहले ही स्टूडेंट बीच में बोलेगा, 'सर, मैंने टाइम मैनेजमेंट के बारे में पूछा है।'

मैं आत्मविश्वास से जवाब दूंगा- 'मैं भी यही कह रहा हूं कि माइंड को कैसे मैनेज करें।' युवक झुंझला कर कहेगा कि 'सर टाइम, T I M E Ð' मैं जवाब दूंगा, 'क्या तुमने M I N D कहा?' वह भागता हुआ आएगा और सामने खड़े होकर चिल्लाएगा- 'सर, टाइम।' इससे अन्य लोग हंसेंगे, क्योंकि कुछ को लगेगा कि मैं कम सुनता हूं, बाकी समझ जाएंगे कि मैं प्रैंक कर रहा हूं।

फिर मैं उसे स्टेज पर बुलाऊंगा और 1980 की एक कहानी सुनाऊंगा, जिसमें इटालियन यूनिवर्सिटी का एक छात्र फ्रांसेस्को सिरिलो परीक्षा की तारीखों को लेकर भारी दबाव में था और पढ़ाई से बेहद परेशान हो चुका था। उसे एहसास हुआ कि उसका दिमाग ध्यान भटकाने में माहिर है।

वह घंटों डेस्क पर बैठता, लेकिन कुछ भी हासिल नहीं होता। परेशान होकर उसने खुद से शर्त लगाई कि क्या वह सिर्फ 10 मिनट तक पूरी तल्लीनता से और बिना रुकावट के पढ़ सकता है? उसने किचन में जाकर टमाटर जैसे आकार का और तेज आवाज करने वाला मैकेनिकल किचन टाइमर उठाया, जिसे इटालियन भाषा में 'पोमोडोरो' कहते हैं। उसने टाइमर को घुमा कर सेट किया और बैठ गया।

शुरुआती कुछ कोशिशों में वह विफल रहा, क्योंकि अंदरूनी भटकाव उसे रोक रहा था। लेकिन वह समय सीमा बदलता रहा। आखिरकार उसे पता चला कि 25 मिनट का समय सबसे सही 'स्वीट स्पॉट' है- पर्याप्त लंबा कि काम में सार्थक प्रगति हो सके और पर्याप्त छोटा कि दिमाग भटकने की न सोचे। एक समय पर सिर्फ 25 मिनट के एक-एक ब्लॉक पूरे करते हुए सिरिलो फोकस की विफलता से यूनिवर्सिटी की परीक्षा पास करने तक पहुंच गया।

अंतत: उसने उसी छोटे किचन टाइमर को वैश्विक प्रोडक्टिविटी मूवमेंट में बदल दिया। आज सिरिलो द्वारा विकसित 'पोमोडोरो तकनीक' का इस्तेमाल पश्चिमी दुनिया में ऐसे बहुत-से लोग करते हैं, जिन्होंने टालमटोली की आदत छोड़ने के लिए सब आजमा लिया लेकिन विफल रहे। तो इसे कैसे करें? 5 स्टेप यहां पेश हैं :

1. एक काम चुनें : जो करना चाहते हैं, वो एक खास काम चुनें। 2. टाइमर सेट करें : 25 मिनट का टाइमर सेट करें। 3. काम करें : टाइमर बजने तक पूरा ध्यान उसी काम पर लगाएं। न मल्टीटास्किंग और न फोन चेक करें। 4. छोटा ब्रेक लें : टाइमर बजते ही 5 मिनट का ब्रेक लें। स्ट्रेच करें या कुछ पी लें। 5. लंबा ब्रेक लें : लगातार 25 मिनट के चार 'पोमोडोरो' पूरे करने के बाद 15-30 मिनट का री-स्टोरेटिव ब्रेक लें।

यह तरीका इसलिए कारगर है, क्योंकि महज 25 मिनट काम का संकल्प लेना किसी घंटों लंबे भारी प्रोजेक्ट के बजाय कहीं कम डरावना होता है। सख्त टाइमर व्यक्ति का ध्यान कई चीजों में भटकाने के बजाय सिंगल टास्किंग माइंडसेट को प्रोत्साहित करता है। युवाओं को इसका यह फायदा मिलता है कि छोटे और नियमित अंतराल दिमाग को जरूरी आराम देते हैं, जिससे जानकारी प्रोसेस करना आसान होता है और दिनभर प्रोडक्टिविटी ऊंची रहती है। इसके लिए किसी खास टाइमर मशीन में निवेश की जरूरत नहीं है। पुराना साधारण टाइमपीस भी उपयोगी हो सकता है, लेकिन कृपया मोबाइल फोन न लें। अगर आप गहन अध्ययन या जटिल समस्या सुलझाने जैसे अत्यधिक दिमागी मेहनत के विषय पर काम कर रहे हैं तो इस तकनीक को अपनी ऊर्जा के हिसाब से ढाल सकते हैं।

फंडा यह है कि कम से कम उन लोगों के लिए, जिन्हें टालमटोली की बहुत ज्यादा आदत है, 5 मिनट के ब्रेक लेते हुए काम को 25 मिनट के फोकस्ड हिस्सों में बांटना न सिर्फ थकान से बचाएगा, बल्कि फोकस को भी अधिकतम कर देगा।

हरित प्रौद्योगिकी और नवाचार साझेदारी का नया अध्याय

तृतीय भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन

वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था में तेजी से बदलते परिदृश्य के बीच भारत और नॉर्डिक देशों के संबंध नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहे हैं। 19 मई 2026 को नॉर्वे की राजधानी में आयोजित तृतीय भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन ने इस साझेदारी को हरित प्रौद्योगिकी, नवाचार, डिजिटल परिवर्तन और सतत विकास के व्यापक आयामों तक विस्तार देने का मार्ग प्रशस्त किया है। यह सम्मेलन केवल व्यापारिक सहयोग तक सीमित नहीं रहा, बल्कि जलवायु परिवर्तन, आर्कटिक नीति, समुद्री अर्थव्यवस्था, अनुसंधान, रक्षा उत्पादन और प्रतिभा गतिशीलता जैसे भविष्य-निर्धारक विषयों पर भी केंद्रित रहा।

भारत और नॉर्डिक देशों के बीच सहयोग की शुरुआत वर्ष 2018 में पहले भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन से हुई थी। तब से यह संबंध पारंपरिक कूटनीति से आगे बढ़कर रणनीतिक साझेदारी में बदल चुका है। नॉर्डिक देशों की उन्नत तकनीकी विशेषज्ञता और भारत की विशाल बाजार क्षमता, युवा प्रतिभा तथा विनिर्माण शक्ति ने इस सहयोग को नई दिशा दी है।

भारत की आर्कटिक नीति भी इस साझेदारी का महत्वपूर्ण आधार बनकर उभरी है। आर्कटिक क्षेत्र में बर्फ पिघलने और जलवायु परिवर्तन का प्रभाव भारतीय मानसून, कृषि, जल सुरक्षा और समुद्री तटीय क्षेत्रों पर पड़ सकता है। इसी कारण भारत ने अपनी आर्कटिक नीति भारत और आर्कटिक: सतत विकास के लिए साझेदारी का निर्माण के माध्यम से वैज्ञानिक अनुसंधान, पर्यावरण संरक्षण, आर्थिक विकास और वैश्विक सहयोग को प्राथमिकता दी है। नॉर्डिक देशों के साथ बढ़ता सहयोग इस नीति को व्यावहारिक आधार प्रदान करता है।

व्यापार और निवेश में लगातार विस्तार

नॉर्डिक देशों के साथ भारत के आर्थिक संबंध लगातार मजबूत हुए हैं। Denmark के साथ भारत का वस्तु व्यापार 2025 में 2 अरब डॉलर से अधिक पहुंच गया, जबकि सेवाओं का व्यापार 4.25 अरब डॉलर तक पहुंचा। डेनमार्क की लगभग 200 कंपनियां भारत में नवीकरणीय ऊर्जा, स्मार्ट शहरी विकास और खाद्य प्रसंस्करण जैसे क्षेत्रों में सक्रिय हैं। वहीं भारतीय कंपनियां भी आईटी और इंजीनियरिंग क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति मजबूत कर रही हैं।

Finland के साथ तकनीकी और नवाचार आधारित सहयोग तेजी से बढ़ा है। फिनलैंड की 100 से अधिक कंपनियां भारत में कार्यरत हैं, जबकि भारतीय निवेश भी लगातार बढ़ रहा है। डिजिटल तकनीक, 6जी अनुसंधान और स्टार्ट-अप सहयोग इस संबंध का प्रमुख आधार बन रहे हैं।

Iceland के साथ भारत ने भूतापीय ऊर्जा, मत्स्य पालन और आर्कटिक अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर बल दिया है। वहीं Norwa4 के साथ समुद्री अर्थव्यवस्था, हरित ऊर्जा और आर्कटिक सहयोग को नई गति मिली है। नॉर्वे के गवर्नमेंट पेंशन फंड ग्लोबल द्वारा भारतीय पूंजी बाजार में लगभग 28 अरब डॉलर का निवेश इस बढ़ते भरोसे का प्रमाण है।

Sweden के साथ भारत का व्यापार लगभग 7 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है। स्वीडन की 280 से अधिक कंपनियां भारत में कार्यरत हैं, जबकि भारतीय कंपनियां भी वहां अपनी उपस्थिति बढ़ा रही हैं। रक्षा, दूरसंचार, स्वच्छ ऊर्जा और डिजिटल तकनीक दोनों देशों के सहयोग के प्रमुख क्षेत्र हैं।

सॉफ्ट पावर बना संबंधों की मजबूती का आधार

भारत और नॉर्डिक देशों के संबंध केवल आर्थिक और रणनीतिक सहयोग तक सीमित नहीं हैं। भारतीय संस्कृति, योग, आयुर्वेद, संगीत, नृत्य और भारतीय त्योहारों ने नॉर्डिक समाज में विशेष स्थान बनाया है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस आज डेनमार्क, स्वीडन, फिनलैंड और नॉर्वे के शहरों में बड़े स्तर पर मनाया जाता है। नमस्ते स्टॉकहोम जैसे सांस्कृतिक आयोजन हजारों लोगों को आकर्षित करते हैं।

इन देशों में बसे भारतीय प्रवासी समुदाय ने भी दोनों क्षेत्रों के बीच मजबूत सांस्कृतिक पुल का कार्य किया है। स्वीडन में लगभग 88 हजार, फिनलैंड में 33 हजार और नॉर्वे में 30 हजार भारतीय समुदाय आर्थिक और सामाजिक जीवन में सक्रिय योगदान दे रहे हैं।

हरित प्रौद्योगिकी और नवाचार साझेदारी

तृतीय भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन का सबसे महत्वपूर्ण परिणाम भारत-नॉर्डिक हरित प्रौद्योगिकी और नवाचार रणनीतिक साझेदारी के रूप में सामने आया। इस पहल के तहत नवीकरणीय ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, जल प्रबंधन, डिजिटल अवसंरचना, सतत विनिर्माण और जलवायु कार्रवाई जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी।

यह साझेदारी भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने, हरित रोजगार सृजित करने और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इसके अतिरिक्त जल प्रबंधन और संसाधन पुनर्चक्रण में नॉर्डिक विशेषज्ञता भारत के शहरी और औद्योगिक विकास को टिकाऊ बनाने में सहायक होगी।

अनुसंधान, शिक्षा और तकनीकी सहयोग

एसटीईएम शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार इस साझेदारी का महत्वपूर्ण आधार हैं। भारत और नॉर्डिक देशों ने अगली पीढ़ी की संचार तकनीकों, साइबर सुरक्षा, स्वास्थ्य-तकनीक और ध्रुवीय अनुसंधान में सहयोग बढ़ाने पर बल दिया है। इससे भारतीय छात्रों और शोधकर्ताओं को वैश्विक अनुसंधान वातावरण में अधिक अवसर मिलेंगे।

6जी तकनीक और डिजिटल अवसंरचना पर संयुक्त अनुसंधान भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था को गति देने में सहायक होगा। साथ ही, यह तकनीकी हस्तांतरण और नवाचार आधारित उद्योगों को भी प्रोत्साहित करेगा।

समुद्री और रक्षा सहयोग को नई दिशा

सामुद्रिक अर्थव्यवस्था और समुद्री सुरक्षा भी भारत-नॉर्डिक सहयोग का उभरता हुआ क्षेत्र है। समुद्री संसाधनों का सतत उपयोग, समुद्री संपर्क और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए दोनों पक्षों ने सहयोग बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की है।

रक्षा क्षेत्र में भारत द्वारा 100 प्रतिशत एफडीआई की अनुमति ने नॉर्डिक देशों के साथ रक्षा उत्पादन और तकनीकी सहयोग के नए अवसर खोले हैं। इससे घरेलू रक्षा उत्पादन, अनुसंधान और रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलने की संभावना है।

नई वैश्विक साझेदारी का उभरता मॉडल

भारत और नॉर्डिक देशों के बीच विकसित हो रही यह साझेदारी केवल द्विपक्षीय संबंधों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह वैश्विक स्तर पर सतत विकास, हरित अर्थव्यवस्था और तकनीकी सहयोग का एक नया मॉडल बनकर उभर रही है। भारत की विशाल क्षमता और नॉर्डिक देशों की नवाचार आधारित अर्थव्यवस्था मिलकर भविष्य की ऐसी साझेदारी का निर्माण कर रही हैं, जिसमें आर्थिक विकास, पर्यावरण संरक्षण और तकनीकी प्रगति साथ-साथ आगे बढ़ते हैं।

तृतीय भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन ने स्पष्ट संकेत दिया है कि आने वाले वर्षों में यह संबंध व्यापारिक सहयोग से आगे बढ़कर वैश्विक रणनीतिक साझेदारी के रूप में स्थापित होगा। हरित प्रौद्योगिकी, डिजिटल नवाचार और मानव-केंद्रित विकास के क्षेत्र में यह गठबंधन आने वाले समय में विश्व व्यवस्था को नई दिशा देने की क्षमता रखता है।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544
www.onlytds.com

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

सखी निवास के प्रबंधक, वार्डन एवं केयर टेकर पदों की भर्ती हेतु शुद्धि पत्र जारी

दुर्ग। महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला-दुर्ग द्वारा 'मिशन शक्ति' योजना के अंतर्गत संचालित 'सखी निवास' में पदों की भर्ती प्रक्रिया को लेकर अधिकारिक सूचना (शुद्धि पत्र) जारी की गई है। इस संशोधित अधिसूचना के माध्यम से पूर्व में जारी विज्ञापन की शर्तों में आंशिक बदलाव करते हुए अभ्यर्थियों से दावा-आपत्ति आमंत्रित की गई है। महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार, सखी निवास में प्रबंधक, वार्डन एवं केयर टेकर के पदों पर भर्ती हेतु पूर्व में जारी विज्ञापन में पदों को आरक्षण नियम के अनुसार 'आरक्षित' किया गया था। शासन के नए निर्देशानुसार, उक्त पद सेवा प्रदाता (सर्विस प्रोवाइडर) के होने के कारण इनमें आरक्षण नियम का पालन किया जाना अनिवार्य नहीं है। अत: शासन के निर्देशों के परिपालन में विज्ञापित आरक्षित पदों को अब 'अनारक्षित' किया गया है।

ईद उल अजहा पर 28 को होगी नमाज

भिलाई। कुर्बानी के जज्बे के साथ मुस्लिम समुदाय 28 मई को ईद उल अजहा मनाएगा। ईद की नमाज के लिए शहर में ईदगाहों और मस्जिदों में खास इंतजाम किए गए हैं। वहीं मौसम बदलने और बारिश होने पर नमाज के लिए अलग बंदोबस्त रखा गया है। इसके साथ ही तीन दिन तक कुर्बानी का सिलसिला भी शुरू हो जाएगा। जिसमें लोग अपनी हैसियत के मुताबिक बकरों की कुर्बानी देंगे। जामा मस्जिद सेक्टर-6 के ईदगाह मैदान में सुबह ठीक 8 बजे ईदुल अजहा की नमाज अदा की जाएगी। भिलाई नगर मस्जिद ट्रस्ट के सदर मिर्जा आसिम बेग ने बताया कि मौसम में बदलाव होने पर तमाम इंतजाम किए गए हैं।

अवैध प्लाटिंग देख नाराज हुए आयुक्त, तुरंत की गई कार्रवाई

भिलाई। नगर निगम भिलाई के नियमित वार्ड निरीक्षण के दौरान सोमवार को उस वक्त हड़कंप मच गया, जब निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय कुरूद क्षेत्र में नाले किनारे पहुंचते ही अवैध प्लाटिंग और बिना अनुमति निर्माण कार्य देखकर भड़क उठे। आयुक्त ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई और सवाल किया कि इतने बड़े स्तर पर अवैध निर्माण चल रहा है। अधिकारी फील्ड में काम करते हैं या सिर्फ ऑफिस में बैठे रहते है? आयुक्त के सख्त तेवर के बाद तत्काल तोड़ू दस्ता बुलाया गया और जेसीबी चलाकर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी गई। इसी बीच आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय सोमवार को अधिकारियों के साथ वार्ड 25 जवाहर नगर का भ्रमण पर निकले थे। निरीक्षण के दौरान जब वे बस्ती के अंतिम हिस्से में नाले के पास पहुंचे तो देखा कि यहां बड़े पैमाने पर प्लाटिंग चल रहा है।

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन योजना शासन और आम जनता के बीच एक मजबूत सेतु का कार्य करेगी-कलेक्टर

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। आम नागरिकों से प्राप्त शिकायत, समस्या एवं योजनाओं से संबंधित आवेदनों का त्वरित, पारदर्शी एवं समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ शासन द्वारा सीएम हेल्पलाइन एवं शिकायत प्रबंधन प्रणाली के रूप में ऐसी व्यवस्था विकसित की गई है, जहां जनता की आवाज सीधे शासन तक पहुंचेगी। कलेक्टर अभिजीत सिंह की उपस्थिति में कलेक्टोरेट सभाकक्ष में सीएम हेल्पलाइन 1076 के सुचारू संचालन सुनिश्चित किये जाने हेतु जिला स्तरीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे और ब्लॉक स्तरीय अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (व्ही.सी.) के माध्यम से इस प्रशिक्षण कार्यक्रम से जुड़े।सीएम हेल्पलाइन सुशासन अभिसरण विभाग के सलाहकार अनुराग दीवान ने बताया कि सीएम हेल्पलाईन अंतर्गत शिकायतों के निराकरण के लिए समय-सीमा निर्धारित की गई है। इसके साथ ही शिकायतकर्ता का फीडबैक लिया जाएगा। समाधान होने के बाद संबंधित नागरिक से सीधे संपर्क कर उसकी प्रतिक्रिया ली जाएगी, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि समस्या का वास्तव में समाधान हुआ है या नहीं। व्यक्ति अगर समाधान से संतुष्ट होता है, तभी शिकायत का पूर्ण निराकरण माना जाएगा। लेकिन यदि कोई असंतुष्ट है तो शिकायत स्वत: सक्रिय हो जाएगी। सीएम हेल्पलाइन एवं शिकायत प्रबंधन प्रणाली के संबंध में प्रेजेन्टेशन के माध्यम से जिला स्तरीय अधिकारियों को विस्तार पूर्वक प्रशिक्षण दिया गया। सीएम हेल्पलाइन एवं शिकायत प्रबंधन प्रणाली के तहत प्रदेश का कोई भी नागरिक टोल फ्री नंबर 1076 सहित वेब पोर्टल, मोबाइल ऐप और व्हाट्सएप जैसे किसी भी माध्यम से कॉल करके 24 घंटे सातों दिन अपनी शिकायत आसानी से दर्ज करा सकता है। शिकायत दर्ज होते ही उन्हें एक टोकन संख्या मिलेगी। शिकायत दर्ज होने के बाद संबंधित विभाग के अधिकारी समय-सीमा में निराकरण करेंगे और यदि शिकायतकर्ता के आवेदन उस विभाग से संबंधित नही है तो तीन दिवस के भीतर उन्हें संबंधित विभाग को ट्रांसफर करना होगा।

काठमांडू नेपाल में अरपा पैरी की धार एवं रवीन्द्रनाट्यम संगीत की गूँज

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। भिलाई छत्तीसगढ़ की कला प्रशिक्षण संस्था गीत वितान कला केन्द्र के 65 छात्र छात्राएँ विगत दिनों काठमांडू नेपाल के फिल्म एण्ड टेलीविजन कैम्पस सभागृह गौशाला मे आयोजित 12वीं अन्तर्राष्ट्रीय नृत्य, संगीत ,स्व स्वर पाठ, नाटक एवं पेन्टिंग प्रतियोगिता-महोत्सव में भिलाई छत्तीसगढ़ राज्य भारत को प्रतिनिधित्व किया ।

इस प्रतियोगिता में मणिपुर, मुम्बई, आसाम से विविध कला के क्षेत्र में प्रतिभागी शामिल हुए जिसमें गीतवितान कला केन्द्र के विद्यार्थी छत्तीसगढ़ लोक संगीत (राजगीत) समूह गायन अरपा पैरी की धार महानदी हैं अपार, रवीन्द्र संगीत- आकाश जुड़े शूनीनू ओई बाजे, दोखीन हावा जागो जागो (समूह) गायन, (एकल) शास्त्रीय गायन- सीनियर वर्ग, सुगम संगीत (भंजन एवं सरस्वती वंदना) , रवीन्द्रनाथ ठाकुर रचित नारी चरित्र पर आधारित नृत्य-नाटिका (श्यामा, चित्रागदा, एवं चंडालिका) की प्रस्तुति (सीनियर वर्ग) ,वादन गिटार एवं की बोर्ड (समूह) मे वन्दे मातरम् सुजलाम सुफ्लाम, माँ सरस्वती शारदे के धुन को प्रस्तुत किया । पेटिंग (चित्रकला) में 14 विद्यार्थी ने कैनवास पर चित्रकला की आकृति को मूर्त रूप प्रदान किया । गीतवितान के कुल 65 विद्यार्थियों में समूह गायन (रवीन्द्र संगीत) ओपन कैटागिरी मे-प्रथम पुरस्कार, वादन समूह में-प्रथम एवं द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। सेमीक्लासिकल नृत्य में- द्वितीय पुरस्कार, एकल वादन में-प्रथम एवं द्वितीय पुरस्कार एवं गायन रवींद्रसंगीत रवीन्द्र संगीत (सीनियर वर्ग) मे-प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं सांत्वना पुरस्कार से सम्मानित किया गया। चित्रकला सीनियर वर्ग मे प्रथम, द्वितीय एवं जूनियर वर्ग मे-प्रथम, द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया।

नेपाल संगीत, नृत्य महोत्सव में गीतवितान कला केन्द्र के निर्देशक गुरू मिथुन दास को अन्तर्राष्ट्रीय संगीत गुरु कंचनजंघा सम्मान से विभूषित किया गया । यह सम्मान उन्हें रवींद्रसंगीत एवं विविध कला के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान किया गया । इस अवसर पर नेपाल से मन्जू गिरी (निर्देशिका) नेपाल फिल्म कैम्पस, श्री भुवन बड़ाल (प्रबंध निर्देशक) गौरी महाविद्यालय, काठमांडू, जगदीश भेटवाल (शोशल एक्टीविस्ट) के कर कमलों द्वारा गीतवितान के विद्यार्थियों को सम्मान एवं पुरस्कार प्रदान किया गया।

संस्था के मुख्य संरक्षक एवं ओ ए अध्यक्ष नरेन्द्र कुमार बंछोर, वी के मोहम्मद, (इटंक) महा सचिव वंश बहादूर सिंह, बीमान दास, सरसीज घोष, रजनी सिन्हा, सोमेन कुण्डू, मानव सेन, कला साहित्य अकादमी अध्यक्ष शक्ति चक्रवर्ती, शान्तनु दासगुप्ता द्वारा गीतवितान के उपलब्धि के लिए बधाई दिया ।

24 शासकीय उचित मूल्य दुकानों का आबंटन निरस्त, नए आवेदन आमंत्रित

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। जिले की 24 शासकीय उचित मूल्य दुकानों के संचालन में अनियमितता पाए जाने पर उनका आबंटन निरस्त कर दिया गया है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश 2016 की कंडिका 16 के तहत यह कार्यवाही की गई है।

निरस्त दुकान-महिला स्व सहायता समूह, संगवारी खाद्य सुरक्षा पोषण एवं उप सेवा सह समिति मर्या., नवीन महिला स्व सहायता समूह, शंकरा महिला स्व सहायता समूह, जय शक्ति महिला स्व सहायता समूह, जय कृष्ण महिला स्व सहायता समूह, दुर्ग सहकारी विपणन समिति, कृषक सेवा सहकारी समिति कोहका, जय सदाराम महिला स्व सहायता समूह, मां अन्नपूर्णा स्व सहायता समूह, सामुदायिक विकास समिति भिलाई, एकता महिला स्व सहायता समूह, सामुदायिक विकास समिति भिलाई, बीएसपी प्राथमिक सह.उप. भण्डार, सहकारी उपभोक्ता भण्डार भिलाई, विन्ध्यवासिनी महिला स्व सहायता समूह, नवीन प्राथमिक सहकारी उपभोक्ता भण्डार, स्टील नगर महिला स्व सहायता समूह, मं जय भवानी महिला स्व सहायता समूह, इस्पात कर्मचारी कन्ज्यूमर कोआपरेटिव स्टोर्स मर्या. भिलाई, सामुदायिक विकास समिति रविदास नगर भिलाई, संतोषी महिला स्व सहायता समूह, भूतपूर्व सैनिक कल्याण संघ केम्प 1 भिलाई और प्रेरणा महिला स्व सहायता समूह शामिल है। शासकीय उचित मूल्य दुकानों के संचालन हेतु आवेदन केवल संबंधित वार्ड की स्थानीय संस्था द्वारा ही स्वीकार किए जाएंगे। स्थानीय नगरीय निकाय, महिला स्व-सहायता समूह, प्राथमिक कृषि साख समितियां, अन्य सहकारी समितियां, राज्य शासन द्वारा विर्निदिष्ट उपक्रम, वन सुरक्षा समितियां से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 15 जून 2026 निर्धारित की गई है। खाद्य नियंत्रक से प्राप्त जानकारी अनुसार उचित मूल्य की दुकानों आबंटन ऐसे अन्य सहकारी समितियों एवं महिला स्व सहायता समूहों का किया जाएगा, जो आवेदन प्रस्तुत करने की तारीख से कम से कम तीन माह पूर्व पंजीकृत एवं कार्यरत हो तथा सामाजिक-आर्थिक क्षेत्र में कार्य का अनुभव हो, उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी। छ.ग. सार्वजनिक वितरण प्रणाली आदेश 2016 मे दिए गए निर्देशों के अनुरूप ही शासकीय उचित मूल्य दुकानों का आबंटन किया जाएगा।

जनसमस्या निवारण शिविर के माध्यम से कौशल्या गौड़ को मिली श्रवण यंत्र की सौगात

कौशल्या के जीवन में फिर लौटी खुशियों की गूंज

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। सुशासन तिहार-2026 के अंतर्गत लगने वाले शिविरों की कड़ी में विगत 23 मई को दुर्ग शहर के पुराना गंज मंडी प्रांगण में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर कई परिवारों के लिए बड़ी राहत लेकर आया। इसी कड़ी में, वार्ड क्रमांक 26 संतरा बाड़ी की निवासी कौशल्या गौड़ भी अपनी समस्या के समाधान की आस लेकर इस शिविर में शामिल हुईं। कौशल्या जी लंबे समय से सुनने की गंभीर समस्या (श्रवण बाधिता) से जूझ रही थीं, जिसके कारण उनका दैनिक जीवन बेहद चुनौतीपूर्ण हो गया था। आसपास की बातें और अपनों की आवाजें स्पष्ट न सुन पाने के कारण वे सामाजिक और व्यक्तिगत स्तर पर लगातार एकाकीपन और परेशानियों का सामना कर रही थीं। इस शारीरिक असमर्थता का कोई स्थाई समाधान नहीं मिल पा रहा था।

सुशासन तिहार शिविर ने उनकी इस वर्षों पुरानी तकलीफको चंद मिनटों में दूर कर दिया। शिविर में उपस्थित अधिकारियों ने कौशल्या जी की समस्या को बेहद गंभीरता से सुना और तत्काल त्वरित कार्रवाई करते हुए उन्हें कैबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव के हाथों कान की मशीन प्रदान की। आधुनिक श्रवण यंत्र की सहायता से अब वे स्पष्ट रूप से सुनने में सक्षम हो गई हैं, जिससे उनके जीवन में पुन: सकारात्मक बदलाव आया है। इस त्वरित समाधान से गदगद कौशल्या गौड़ ने प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और जिला प्रशासन का सहृदय आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि शासन द्वारा जमीनी स्तर पर लगाए जा रहे ये शिविर आम जनता के लिए किसी वरदान से कम नहीं हैं, जहां गरीब और जरूरतमंदों की समस्याओं को सुना जाता है और मौके पर ही उनका प्रभावी निराकरण भी किया जाता है। सुशासन तिहार आज अपने नाम को सार्थक करते हुए आम जनता के दुख-दर्द को दूर करने का एक मजबूत और सशक्त माध्यम साबित हुआ है।

दीपक नगर में 36 लाख रुपये के विकास कार्यों का भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत दीपक नगर वार्ड क्रमांक 23 में नागरिक सुविधाओं के विस्तार एवं आधारभूत अधोसंरचना को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए विभिन्न विकास कार्यों का भूमि पूजन महापौर अलका बाघमार द्वारा सभापति श्याम शर्मा, लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर के उपस्थिति में किया गया। इस दौरान क्षेत्र के नागरिकों की मौजूदगी में लगभग 36 लाख रुपये की लागत से सड़क एवं नाली निर्माण कार्यों की शुरुआत की गई।

भूमि पूजन अंतर्गत सड़क नंबर 1 एवं 2 सहित अन्य स्थानों पर नाली निर्माण कार्य 17.50 लाख रुपये की लागत से कराया जाएगा। इसके अतिरिक्त सड़क नंबर 4 स्थित अनुप गटागट के सामने 9.66 लाख रुपये की लागत से सीमेंटीकरण कार्य तथा सड़क नंबर 6 में 8.50 लाख रुपये की लागत से नाली निर्माण कार्य कराया जाएगा। इन विकास कार्यों के पूर्ण होने से क्षेत्रवासियों को जल निकासी, आवागमन तथा मूलभूत सुविधाओं में बड़ी राहत मिलेगी।

कार्यक्रम के दौरान महापौर अलका बाघमार ने कहा कि नगर निगम द्वारा शहर के प्रत्येक वार्ड में चरणबद्ध रूप से विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। नागरिकों को बेहतर सड़क, नाली एवं मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना निगम प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों के माध्यम से नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए निगम प्रशासन लगातार प्रयासरत है।

उन्होंने कहा कि बरसात के पूर्व नाली निर्माण एवं जल निकासी व्यवस्था को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है ताकि नागरिकों को जलभराव जैसी समस्याओं का सामना न करना पड़े। विकास कार्यों में गुणवत्ता एवं समय-सीमा का विशेष ध्यान रखने अधिकारियों को निर्देश भी दिए गए। इस अवसर पर सभापति श्याम शर्मा, लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, ज्ञानेश्वर ताम्रकर, शेखर चंद्राकर, वार्ड पार्षद मनोज सोनी,रंजीता पाटिल,लोकेश्वरी ठाकुर, युवराज कुंजाम, मनीष कोठारी, पूर्व पार्षद मीना सिंह, विजय जलकारे,अरुण सिंह, कार्यपालन अभियंता मोहम्मद सलीम सिद्दीकी, सहायक अभियंता संजय ठाकुर, उप अभियंता अर्पणा मिश्रा सहित वार्ड के नागरिकगण उपस्थित रहे।

बीएसपी के आरटीएस विभाग में कोक ओवन गैस रिसाव पर सुरक्षा मॉक ड्रिल आयोजित

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा विगत दिनों में रोल टर्निंग शॉप विभाग के फोर्जिंग एवं ब्रेजिंग सेक्शन में संभावित कोक ओवन गैस रिसाव आपदा की स्थिति से निपटने हेतु सुरक्षा मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस अभ्यास का उद्देश्य आपातकालीन परिस्थितियों में कर्मियों की त्वरित एवं सुरक्षित प्रतिक्रिया क्षमता का परीक्षण करना तथा विभागीय आपदा प्रबंधन तैयारियों को और अधिक सुदृढ़ बनाना था।

मॉक ड्रिल के दौरान महाप्रबंधक एस. के. गुप्ता ने मुख्य नियंत्रक के रूप में संपूर्ण अभ्यास का नेतृत्व एवं पर्यवेक्षण किया। अभ्यास के अंतर्गत कोक ओवन गैस रिसाव की काल्पनिक आपात स्थिति निर्मित की गई, जिसके माध्यम से कर्मचारियों एवं आपातकालीन प्रतिक्रिया टीमों ने नियंत्रित परिस्थितियों में समन्वित बचाव एवं सुरक्षा उपायों का अभ्यास किया।

इस मॉक ड्रिल के सफल संचालन में विभिन्न विभागों एवं एजेंसियों की सक्रिय सहभागिता एवं सहयोग महत्वपूर्ण रहा। कार्यक्रम में अग्निशमन सेवा विभाग से अतिरिक्त मुख्य अग्निशमन अधिकारी संजय धवस, गैस सेफ्टी विभाग से विजय देवांगन, सीआईएसएफसे एस. के. पाण्डेय, सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग से के. आर. साहू, सहायक महाप्रबंधक एवं विभागीय सुरक्षा अधिकारी (आरएसएम) सुनील शुक्ला, मानव संसाधन (मिल्स जोन-2) से अनुराधा साहा, सिविल डिफेंस से स्वतंत्र कुमार सहित आरटीएस विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। मॉक ड्रिल के उपरांत एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली, विभिन्न विभागों के बीच समन्वय तथा अपनाई गई सुरक्षा प्रक्रियाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। प्रतिभागियों द्वारा कार्यस्थल सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने हेतु महत्वपूर्ण सुझाव एवं अवलोकन भी साझा किए गए। मॉक ड्रिल भिलाई इस्पात संयंत्र की कार्यस्थल सुरक्षा, आपदा प्रबंधन क्षमता एवं सतत सुरक्षा सुधार के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

भूजल संरक्षण के लिए नगर निगम की पहल हर घर में बने रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। नगर निगम दुर्ग द्वारा शहर में लगातार गिरते भूजल स्तर को नियंत्रित करने एवं वर्षा जल संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नागरिकों से अपने घरों एवं भवनों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित करने की अपील की गई है।

निगम प्रशासन ने कहा है कि वर्षा जल का संरक्षण भविष्य की जल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अत्यंत आवश्यक है। प्रत्येक भवन में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम के निर्माण से भूजल स्तर में सुधार होगा तथा नलकूपों के सूखने जैसी समस्याओं पर नियंत्रण किया जा सकेगा।

नगर निगम क्षेत्रांतर्गत पिछले 10 वर्षों में 75 शासकीय भवनों एवं 2897 निजी भवनों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम का निर्माण किया जा चुका है, जिससे जल संरक्षण के क्षेत्र में सकारात्मक परिणाम प्राप्त हुए हैं।

निगम द्वारा रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम निर्माण के लिए अधिकृत एजेंसियां निर्धारित की गई हैं। नागरिक इन एजेंसियों के माध्यम से अपने भवनों में सिस्टम स्थापित कर सकते हैं। इसकी अनुमानित लागत लगभग 12 से 15 हजार रुपए निर्धारित की गई है।

नगर निगम प्रशासन ने आमजन से अपील करते हुए कहा है कि जल संरक्षण को जन अभियान बनाते हुए प्रत्येक परिवार रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम अपनाकर पर्यावरण संरक्षण एवं भविष्य की जल सुरक्षा में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें।

Since 1972
CROWN®-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size
CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास-खबर

गाँव-गाँव इन दिनों तेंदूपत्ता संग्रहण का चल रहा सिलसिला

रायपुर। तेज दोपहरी की धूप हो या गाँव के तालाबों में कम होता पानी, गर्मी का मौसम अपने साथ कई चुनौतियाँ लेकर आता है। लेकिन कोरबा जिले के दूरस्थ गाँव लेमरू के परिवारों के लिए यही मौसम खुशियों की सौगात भी लेकर आया है। कारण हैकृतेंदूपत्ता के बढ़े हुए दाम, जिसने इस क्षेत्र के सैकड़ों संग्राहक परिवारों की उम्मीदों को नई उड़ान दी है। गाँव की गलियों में दोपहर का सन्नाटा भले ही छाया रहता हो, पर जंगल की ओर जाने वाली पगडंडियों पर सुबह से शाम तक रौनक देखने को मिलती है। महिलाएं, युवा, बच्चे और बुजुर्ग तेंदूपत्ता संग्रहण में जुटे हुए हैं। जंगलों से पत्ते तोड़कर लाना, उन्हें गठरी में भरकर घर तक लाना और फिर घर की परछी में बैठकर 50-50 पत्तों के बंडल बनानाकृइन सब कामों के बीच उनके चेहरों पर एक समान चमक दिखाई देती है। सभी के मन में यही खुशी है कि दाम बढ़ने से आमदनी भी बढ़ेगी और जितना अधिक संग्रहण होगा, उतनी ही आमदनी मिलेगी। लेमरू गाँव के संतोष यादव और उनकी पत्नी दिव्या यादव हर सुबह सूरज निकलने से पहले लाम पहाड़ के जंगल की ओर निकल जाते हैं। दिव्या बताती हैं कि सुबह से दोपहर तक पत्ते तोड़ते हैं, फिर दोपहर के बाद खाना खाकर घर में बैठकर बंडल बनाना शुरू करते हैं।

बच्चों की प्रतिभा का भव्य उत्सवः खेल, कला और संस्कृति में नौनिहालों ने बिखेरा हुनर

बीजापुर। जिला प्रशासन, खेल एवं युवा कल्याण विभाग तथा शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 15 दिवसीय ग्रीष्मकालीन खेल, सांस्कृतिक एवं रचनात्मक शिविर का समापन रंगारंग प्रस्तुतियों और उत्साहपूर्ण माहौल के बीच संपन्न हुआ। समापन समारोह में बच्चों की अद्भुत प्रतिभा, आत्मविश्वास और रचनात्मकता ने सभी अतिथियों और दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में उपस्थित सीईओ जिला पंचायत नम्रता चौबे ने बच्चों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि बीजापुर जिले के बच्चों में प्रतिभा और क्षमता की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता केवल उन्हें उचित मंच, मार्गदर्शन और अवसर प्रदान करने की है। उन्होंने कहा कि शिविर के दौरान बच्चों ने जिस लगन और उत्साह के साथ प्रशिक्षण प्राप्त किया तथा समापन अवसर पर शानदार प्रस्तुतियां दीं, वह अत्यंत प्रेरणादायक और सराहनीय है।

मानसून से पहले प्रशासन हुआ अलर्ट

बीजापुर। आगामी मानसून एवं संभावित प्राकृतिक आपदाओं को देखते हुए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। कलेक्टर विश्वदीप की अध्यक्षता में मंगलवार को इन्द्रावती सभाकक्ष में आयोजित आपदा प्रबंधन समीक्षा बैठक में जिलेभर में मानसून पूर्व सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।
बैठक में जिला स्तरीय नोडल अधिकारी एवं डिप्टी कलेक्टर मुकेश देवांगन ने सभी तहसीलों में वर्षा मापी यंत्रों के नियमित संधारण एवं संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों से कहा कि चिन्हित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में दवाइयों, खाद्यान्न एवं अन्य आवश्यक सामग्रियों की पर्याप्त उपलब्धता पहले से सुनिश्चित की जाए ताकि आपदा की स्थिति में तत्काल राहत पहुंचाई जा सके। उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में नक्सल मुक्त जिलों के भवनविहीन आंगनबाड़ी केन्द्रों को मिलेंगे पक्के भवन

बच्चों और माताओं के बेहतर भविष्य के लिए मजबूत बुनियादी ढांचा हमारी प्राथमिकता - मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार बस्तर संभाग के नक्सल प्रभावित एवं अब तेजी से विकास की मुख्यधारा से जुड़ रहे जिलों में बच्चों और माताओं के लिए आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठा रही है। राज्य सरकार ने भवनविहीन आंगनबाड़ी केन्द्रों के निर्माण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए बस्तर संभाग के जिलों में संचालित शेष 506 भवनविहीन आंगनबाड़ी केन्द्रों के लिए भवन स्वीकृति की प्रक्रिया तेज करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री साय ने कहा है कि सरकार का लक्ष्य है कि नक्सल मुक्त घोषित जिलों में कोई भी आंगनबाड़ी भवनविहीन न रहे और प्रत्येक बच्चे तथा माता को बेहतर, सुरक्षित एवं सुविधायुक्त वातावरण उपलब्ध हो।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि आंगनबाड़ी केन्द्र केवल पोषण वितरण का माध्यम नहीं, बल्कि बच्चों के समग्र विकास, मातृ स्वास्थ्य, प्रारंभिक शिक्षा और सामाजिक सशक्तिकरण की मजबूत नींव हैं। उन्होंने कहा कि विशेषकर दूरस्थ एवं आदिवासी क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण आंगनबाड़ी व्यवस्था बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य जांच, टीकाकरण, पूर्व-प्राथमिक शिक्षा तथा गर्भवती एवं धात्री माताओं की देखभाल को नई मजबूती प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्माण कार्यों में गुणवत्ता, समयबद्धता और स्थानीय आवश्यकताओं का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए हैं।

गमहिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बस्तर, बीजापुर, दंतेवाड़ा, कांकेर, नारायणपुर और सुकमा जिलों में भवनविहीन आंगनबाड़ी केन्द्रों की पहचान कर प्राथमिकता के आधार पर भवन निर्माण सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए गए हैं। मुख्य सचिव स्तर पर 16 मई 2026 को आयोजित समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुरूप बस्तर संभाग की प्रत्येक ग्राम पंचायत में आंगनबाड़ी भवन निर्माण को शासन की प्राथमिकता बताया गया है। इस संबंध में संबंधित जिलों के कलेक्टरों को संयुक्त निर्देश जारी किए गए हैं।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल भवन निर्माण कराना नहीं, बल्कि ऐसे आंगनबाड़ी केन्द्र विकसित करना है जो बच्चों के सीखने, खेलने और मानसिक विकास के लिए प्रेरक वातावरण तैयार करें। इसी उद्देश्य से भवन निर्माण में **"BaLA (Building as Learning Aid)"** कॉन्सेप्ट को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि भवन स्वयं बच्चों के लिए सीखने और समझने का माध्यम बन सके तथा आंगनबाड़ी केन्द्र आकर्षक और पूर्व-प्राथमिक शिक्षा के अनुकूल वातावरण विकसित कर सकें। आंगनबाड़ी भवन निर्माण हेतु प्रति भवन 11 लाख 69 हजार रुपये की राशि निर्धारित की गई है। इसमें महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 2 लाख रुपये, महात्मा गांधी नरेगा योजना के अंतर्गत 8 लाख रुपये तथा शेष 1.69 लाख रुपये की राशि जिले में उपलब्ध अन्य स्थानीय संसाधनों जैसे डीएमएफ, सीएसआर अथवा अन्य मदों से उपलब्ध कराई जाएगी। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि विभिन्न योजनाओं और स्थानीय संसाधनों के प्रभावी अभिसरण के माध्यम से विकास कार्यों को गति देना राज्य सरकार की कार्यशैली का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि मांग आधारित प्रक्रिया के अंतर्गत भवनविहीन आंगनबाड़ी केन्द्रों को प्राथमिकता के साथ स्वीकृति प्रदान की जाए और मार्च 2027 तक निर्माण कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और नियमित मॉनिटरिंग के माध्यम से कार्यों की प्रगति की समीक्षा की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर संभाग में शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। प्रदेश सरकार सड़क, स्वास्थ्य, बिजली, पेयजल और जनसुविधाओं के विस्तार के साथ अब बच्चों और महिलाओं के भविष्य को सुरक्षित करने वाले सामाजिक ढांचे को भी मजबूत कर रही है। उन्होंने कहा कि मजबूत आंगनबाड़ी अवसंरचना गांवों में सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन का आधार बनेगी।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छोटे बच्चों का प्रारंभिक विकास ही भविष्य के सशक्त समाज की नींव तैयार करता है। आंगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से बच्चों को पोषण, स्वास्थ्य और प्रारंभिक शिक्षा का जो आधार मिलता है, वही आगे चलकर उनके व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। बेहतर भवन, सुरक्षित वातावरण और गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं बच्चों में आत्मविश्वास और सीखने की क्षमता को नई दिशा देंगी।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने विश्वास व्यक्त किया कि विभागों के समन्वित प्रयास, जिला प्रशासन की सक्रियता तथा स्थानीय संसाधनों के प्रभावी उपयोग से बस्तर संभाग के सभी भवनविहीन आंगनबाड़ी केन्द्रों को शीघ्र पक्के भवन उपलब्ध होंगे। उन्होंने कहा कि यह पहल मातृ एवं शिशु कल्याण को नई मजबूती देने के साथ-साथ नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास, विश्वास और सुशासन के नए अध्याय को भी मजबूत करेगी।

सुशासन तिहार बना जनसमस्याओं के समाधान और जागरूकता का प्रभावी मंच

जैविक खेती और जल संरक्षण अपनाने किया आह्वान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बलरामपुर जिले के ग्राम पंचायत बरदर में आयोजित सुशासन तिहार जनसमस्या निवारण शिविर में ग्रामीणों की समस्याओं के निराकरण के साथ स्वास्थ्य, पोषण, जैविक खेती और जल संरक्षण को लेकर जागरूकता का संदेश दिया गया।

शिविर में कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी ने कहा कि स्वस्थ समाज और सुरक्षित भविष्य के लिए जैविक खेती एवं प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण आवश्यक है। उन्होंने किसानों से रासायनिक उर्वरकों का सीमित उपयोग करने और जल संरक्षण के लिए सोख्ता गड्ढा निर्माण जैसे उपाय अपनाने की अपील की।

शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर योजनाओं की जानकारी दी गई तथा राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, श्रम कार्ड एवं ऋण पुस्तिका का वितरण किया गया। इस दौरान गर्भवती महिलाओं की गोदभराई और शिशुओं का अन्नप्राशन भी कराया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

जलवायु परिवर्तन और माइक्रो प्लास्टिक की चुनौती से निपटने के लिए युवाओं को सहयोग करना होगा - राज्यपाल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका से लोकभवन में दिल्ली के विभिन्न शिक्षा संस्थानों में अध्ययनरत विद्यार्थियों ने संवाद किया। ये विद्यार्थी भारत सरकार के ''एक भारत-श्रेष्ठ भारत'' अभियान के ''युवा संगम'' कार्यक्रम के तहत छत्तीसगढ़ प्रवास पर हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर यह अनूठा कार्यक्रम पूरे भारत में लागू किया गया है। जिसमें सभी प्रदेशों के युवा अन्य प्रदेशों में जाकर वहां की संस्कृति को समझते हैं, खान-पान का जायका लेते है और पर्यटन स्थलों का भ्रमण करते हैं।

इस कड़ी में दिल्ली के विभिन्न महाविद्यालयों में अध्ययनरत युवा छात्र-छात्राओं को छत्तीसगढ़ का भ्रमण कराया जा रहा है। भ्रमण के दूसरे दिन ये विद्यार्थी लोकभवन

पहुंचे थे। राज्यपाल ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में कहा कि डिग्री लेकर निकलने के पश्चात हमें देश व समाज के बारे में सोचना चाहिए। जलवायु परिवर्तन और माइक्रो प्लास्टिक आज की सबसे बड़ी चुनौती हैं इससे निपटने के लिए युवाओं को सहयोग करना होगा। श्री डेका ने कहा कि हमारे जीवनशैली को आधुनिक बनाने में साइंस का महत्वपूर्ण योगदान है। इसका उपयोग मानवहित में होना चाहिए। आईआईटी जैसे संस्थान देश के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हमारे शिक्षा संस्थानों पर हमारी समृद्ध संस्कृति और विरासत को सहेजने की जिम्मेदारी है। इस तरह के मेल-जोल के कार्यक्रम से व्यक्तित्व का विकास होता है।

श्री डेका ने सभी विद्यार्थियों के छत्तीसगढ़ आगमन पर हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए कहा कि आप दिल्ली की हलचल भरी सड़कों से निकलकर छत्तीसगढ़ की हरी-भरी, वन-संपदा से समृद्ध, आदिवासी परंपराओं और लोक संस्कृति से सराबोर भूमि पर पधारे हैं। यह केवल एक भौगोलिक यात्रा नहीं है। यह भारत की आत्मा को समझने की यात्रा है। यह एक भारत के संकल्प को श्रेष्ठ भारत के स्वप्न में रूपांतरित करने की यात्रा है। हमारे देश की सबसे बड़ी शक्ति यही है कि यहां एक ही धरती पर सैकड़ों भाषाएं बोली जाती हैं। दर्जनों पर्व मनाए जाते हैं, असंख्य परंपराओं के बाद भी हम सब एक हैं। यही विविधता में एकता हमारे गणतंत्र की सच्ची पहचान है।

कार्यक्रम में राज्यपाल डेका से दिल्ली के विद्यार्थियों का वैचारिक आदान-प्रदान हुआ। दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्र विवेक शुक्ला ने सफल राजनेता में क्या गुण होना चाहिए, इस पर प्रश्न किया। श्री डेका ने कहा कि सफल राजनेता में नेतृत्व क्षमता का होना जरूरी है। कुमारी रितिका ने कौशल पर आधारित प्रश्न किया। डेका ने कहा कि आज हर क्षेत्र में अच्छे कौशल की जरूरत है।

जनसमस्या निवारण शिविरों के माध्यम से समस्याओं का हो रहा त्वरित समाधान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशानुरूप प्रदेशभर में आयोजित सुशासन तिहार आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण का प्रभावी माध्यम बनता जा रहा है। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने तथा आमजन की समस्याओं का मौके पर समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में लगातार जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

इसी क्रम में जांजगीर-चांपा जिले के नगर पंचायत खरौद के नगर पंचायत सभाकक्ष एवं विकासखंड बलौदा अंतर्गत ग्राम पंचायत खैजा के शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला परिसर में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन शामिल हुए और विभिन्न विभागों के माध्यम से अपनी मांगों एवं समस्याओं से

संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए।

शिविर स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों के माध्यम से नागरिकों को शासन की विभिन्न हितग्राहीमूलक योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। साथ ही पात्र हितग्राहियों से आवेदन प्राप्त कर कई प्रकरणों का मौके पर ही निराकरण भी किया गया। शिविर में आबादी भूमि अधिकार पत्र, बी-1 खसरा, वोटर आईडी, किसान किताब, नवीन राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, श्रम कार्ड, आइस बॉक्स एवं जाल सहित विभिन्न योजनाओं के तहत सामग्रियों एवं दस्तावेजों का वितरण किया गया। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत हितग्राहियों को चेक एवं प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए। इसके अलावा प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत निर्मित आवासों की चाबियां भी हितग्राहियों को सौंपी गईं।

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा शिविर में गोद भराई एवं अन्नप्राशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वहीं विशेष स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से नागरिकों को उच्च रक्तचाप, मधुमेह, सिकल सेल, हीमोग्लोबिन जांच एवं ईसीजी जांच जैसी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। ग्राम पंचायत खैजा में आयोजित शिविर में मांग एवं शिकायत से संबंधित कुल 1686 आवेदन प्राप्त हुए, जिन्हें गुणवत्तापूर्ण एवं समय-सीमा के भीतर निराकरण हेतु संबंधित विभागों को प्रेषित किया गया।

कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने कहा कि सुशासन तिहार का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक नागरिक की समस्या एवं मांग का पारदर्शी, सरल और समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि शिविरों में प्राप्त आवेदनों को ऑनलाइन दर्ज किया जा रहा है तथा निराकरण की जानकारी संबंधित हितग्राहियों को भी उपलब्ध कराई जाएगी।

ज्ञानभारतम पांडुलिपि सर्वेक्षण अभियान अंतर्गत पांडुलिपि संरक्षकों का हुआ सम्मान

श्रीकंचनपथ समाचार

अम्बिकापुर। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल द्वारा ज्ञानभारतम पांडुलिपि सर्वेक्षण अभियान के अंतर्गत पांडुलिपि संरक्षकों एवं सर्वेयरों का कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सम्मान किया गया। इस अवसर पर उन्हें शाल-श्रीफल एवं सम्मान पत्र प्रदान कर उनके योगदान की सराहना की गई।

अभियान अंतर्गत विकासखंड अंबिकापुर से सर्वश्री दिवाकर शर्मा, मार्तण्ड सिंह देव, राकेश पाण्डेय, रमाशंकर त्रिपाठी तथा बालकृष्ण चैबे को सम्मानित किया गया। इसी प्रकार विकासखंड सीतापुर से लेखनकार प्रधान एवं बालमुकुंद प्रधान को सम्मान प्रदान किया गया। सर्वेयरों के रूप में अंबिकापुर से जगदीश बड़ा तथा सीतापुर से सुशील मिश्र एवं मुजफ्फर हुसैन को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि पांडुलिपियां हमारी समृद्ध सांस्कृतिक एवं बौद्धिक विरासत की अमूल्य धरोहर हैं। इनके संरक्षण एवं संवर्धन के लिए समाज के सभी वर्गों की सहभागिता आवश्यक है।

जन समस्या निवारण शिविर में ग्रामीणों ने रखीं समस्याएं, मौके पर हुआ निराकरण

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत नवागढ़ विकासखंड के ग्राम पंचायत झांकी स्थित शासकीय हाई स्कूल मैदान में जन समस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री दयाल दास बघेल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान एसडीएम नवागढ़ सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। शिविर में ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं एवं मांगें प्रशासन के समक्ष रखीं, जिनमें से अनेक का निराकरण मौके पर ही किया गया।

शिविर परिसर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, सेवाओं एवं उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी दी गई। पात्र

हितग्राहियों को योजनाओं से लाभान्वित भी किया गया। विभागीय अधिकारियों ने आम नागरिकों की समस्याएं सुनकर आवश्यक कार्रवाई की प्रक्रिया प्रारंभ की।

कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग के माध्यम से हितग्राहियों को नोनी सुरक्षा योजना एवं सुकन्या समृद्धि योजना के प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इसके साथ ही वरिष्ठ नागरिकों को प्रधानमंत्री वय वंदन योजना से संबंधित प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। खाद्य विभाग द्वारा पात्र परिवारों को नवीन राशन कार्ड वितरित किए गए, वहीं स्वास्थ्य विभाग की ओर से आयुष्मान वय वंदन कार्ड प्रदान कर वरिष्ठ नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं से जोड़ने का प्रयास किया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत हितग्राहियों को नवीन आवास की चाबियां भी सौंपी गईं। अपने पक्के घर की चाबी प्राप्त कर हितग्राहियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए शासन एवं प्रशासन के प्रति आभार जताया।

मंत्री श्री दयाल दास बघेल ने शिविर में उपस्थित ग्रामीणों से संवाद करते हुए कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ लेने के लिए लोगों को जागरूक होना आवश्यक है। उन्होंने ग्रामीणों से अपनी समस्याएं लिखित आवेदन के माध्यम से प्रस्तुत करने की अपील की, ताकि उनका समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में शासन का उद्देश्य प्रशासन को गांव-गांव तक पहुंचाना है, जिससे आम नागरिकों को छोटी-छोटी समस्याओं के लिए कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। शिविरों के माध्यम से मौके पर ही समस्याओं का निराकरण एवं योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जा रहा है। मंत्री बघेल ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से संवेदनशीलता एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करने की अपेक्षा जताई और कहा कि जन समस्याओं के निराकरण में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

अपने संबोधन में मंत्री बघेल ने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण एवं गरीब वर्ग के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि नल-जल योजना के माध्यम से प्रत्येक घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही प्रदेश में जरूरतमंद परिवारों के लिए बड़े पैमाने पर आवास निर्माण कार्य संचालित किए जा रहे हैं। उन्होंने किसानों के हित में धान खरीदी, आयुष्मान योजना, महतारी वंदन योजना, राशन कार्ड निर्माण, सड़क निर्माण एवं अन्य विकास कार्यों की जानकारी भी ग्रामीणों से साझा की।

शिविर में ग्रामीणों ने राशन कार्ड, पेंशन, प्रधानमंत्री आवास, बिजली, पेयजल, सीमांकन, नामांतरण एवं कृषि संबंधी समस्याएं रखीं।

मंत्री बघेल ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को पात्रता अनुसार त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। भीषण गर्मी को देखते हुए पेयजल एवं बिजली व्यवस्था सुचारु बनाए रखने पर भी विशेष जोर दिया गया। जनप्रतिनिधिगण, स्थानीय पंचायत प्रतिनिधि, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

गंजेपन से मुक्ति
मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131
अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, कैम्प 2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

रणवीर सिंह के साथ काम करना चाहती हैं त्रिधा चौधरी

बोलीं- शिवा ट्रिलॉजी जैसी फिल्म का हिस्सा बनना मेरा सपना

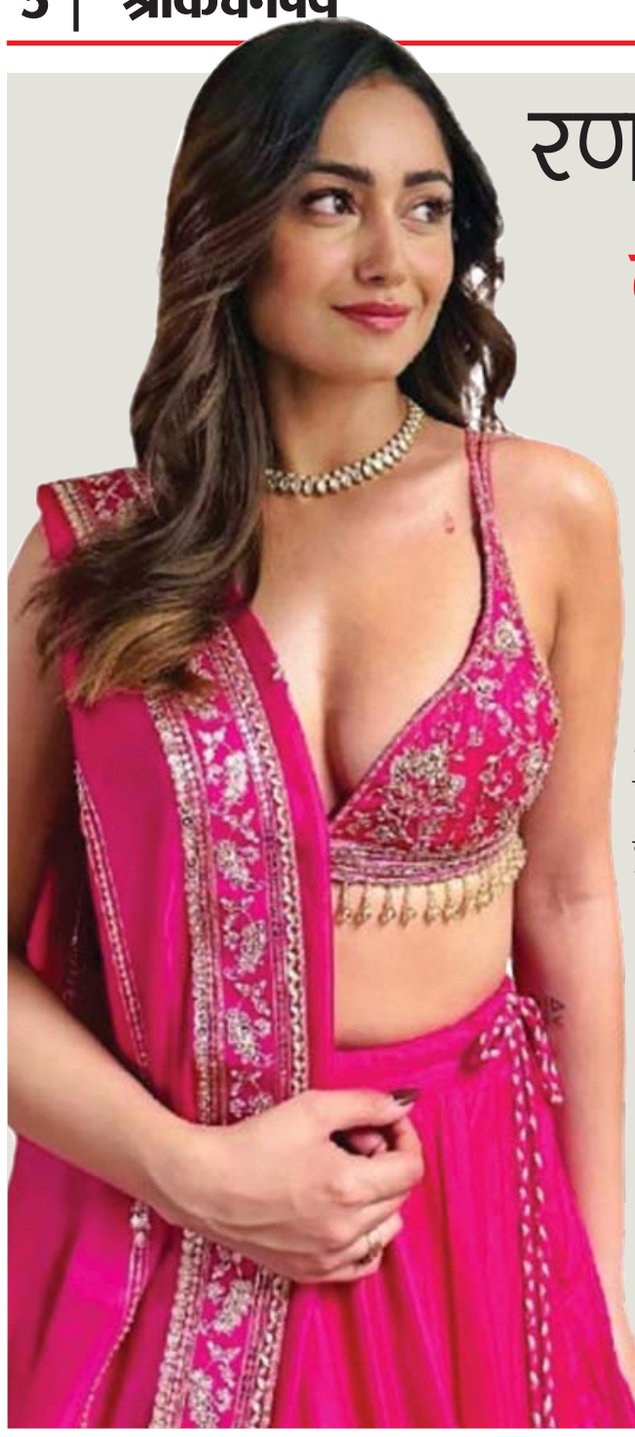

फिल्म इंडस्ट्री में कई कलाकार अब सिर्फग्लैमरस किरदारों तक सीमित नहीं रहना चाहते, बल्कि ऐसे प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनना चाहते हैं, जिनमें अभिनय के साथ भावनात्मक और आध्यात्मिक जुड़ाव भी हो। इसी बीच अभिनेत्री त्रिधा चौधरी ने कहा कि वह भविष्य में अभिनेता रणवीर सिंह के साथ काम करना चाहती हैं। अगर उन्हें शिवा ट्रिलॉजी जैसी किसी पौराणिक फिल्म में काम करने का मौका मिले, तो वह उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा होगा।

जब त्रिधा से पूछा कि अगर उन्हें भविष्य में किसी बड़े ऐतिहासिक या पौराणिक फिल्म में काम करने का मौका मिले, तो वह किस तरह का किरदार निभाना पसंद करेंगी। इस सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि वह लेखक अमिश त्रिपाठी की मशहूर किताब शिवा ट्रिलॉजी पर बनने वाली फिल्म का हिस्सा बनना चाहेंगी।

त्रिधा ने कहा, मैंने हाल ही में सुना है कि रणवीर सिंह ने शिवा ट्रिलॉजी के फिल्मी राइट्स खरीद लिए हैं। यह खबर सुनकर मैं काफी उत्साहित हूं। मैं रणवीर सिंह की बहुत बड़ी फैन हूं और उन्हें अभिनेता के तौर पर बेहद पसंद करती हूं। रणवीर जिस तरह अपने हर किरदार में पूरी एनर्जी डालते हैं, वह मुझे बेहद प्रेरित करता है। उनके साथ काम करना मेरा सपना है। उन्होंने आगे कहा, भगवान शिव के प्रति मेरी गहरी आस्था है, और यही वजह है कि शिवा ट्रिलॉजी से मेरा भावनात्मक जुड़ाव भी है। मैंने इस किताब की पूरी सीरीज पढ़ी है और कहानी ने मुझे काफी प्रभावित किया। अगर मुझे किसी ऐसी पौराणिक फिल्म में अभिनय करने का मौका मिलता है, तो वह मेरे करियर का सबसे खास अनुभव होगा।

त्रिधा ने बातचीत के दौरान कहा, मेरे लिए सिर्फ खूबसूरत दिखना या ग्लैमरस किरदार निभाना ज्यादा मायने नहीं रखता। एक कलाकार की असली पहचान उसके अभिनय से होती है। अगर कोई कलाकार स्क्रीन पर सिर्फ अच्छा दिखे लेकिन अपने किरदार को सही तरीके से निभा न पाए, तो दर्शक उससे जुड़ नहीं पाते। अभिनेत्री ने कहा, मेरे लिए क्रिटिक्स की तारीफें ज्यादा महत्वपूर्ण होती हैं। अगर लोग मेरे अभिनय को पसंद करें और यह महसूस करें कि मैंने किरदार के साथ न्याय किया है, तो वही मेरे लिए सबसे बड़ी सफलता है। मैं हमेशा ऐसे रोल चुनना चाहती हूं जिनमें अभिनय करने का मौका मिले और दर्शकों तक कोई भावना पहुंचाई जा सके।

फिल्म कॉकटेल 2 से दूसरा गाना माशूका जारी

शाहिद-कृति की केमिस्ट्री जीत लेगी दिल

तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया (2024) के बाद, शाहिद कपूर और कृति सैनन की जोड़ी फिर लौट रही है। दोनों आगामी फिल्म कॉकटेल 2 में नजर आएंगे, जिसमें रश्मिका मंदाना भी मुख्य किरदार में हैं। मैडॉक फिल्म्स द्वारा निर्मित यह फिल्म 19 जून को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। पिछले महीने अरिजीत सिंह की आवाज में पहला गाना जब तलक जारी हुआ था, जिसे जनता का बेहद प्यार मिला। अब दूसरा गाना माशूका जारी किया गया है।

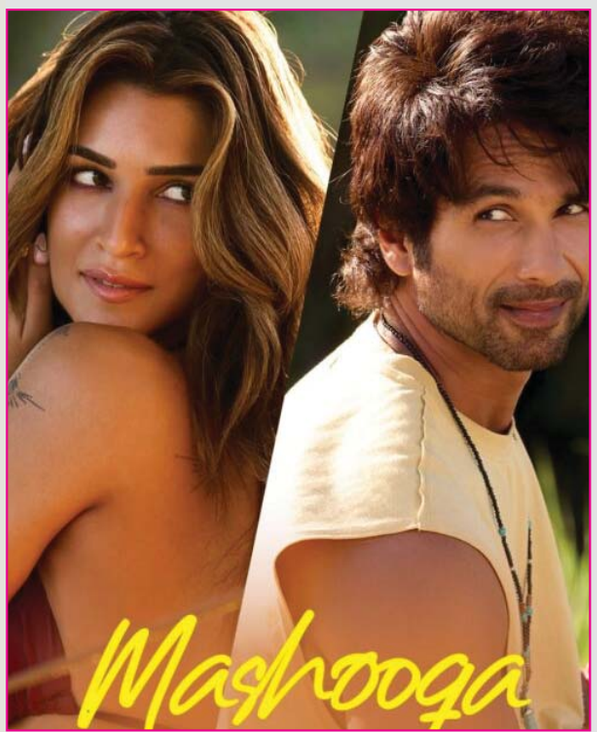

गाने को महमूद, राघव चैतन्य और रुआ काय ने मिलकर आवाज दी है, जबकि अमिताभ भट्टाचार्या ने संगीत दिया है। संगीत का काम प्रीतम चक्रवर्ती ने संभाला है। गाने के दृश्य शाहिद और कृति के ऊपर फिल्माए गए हैं, और दोनों की रोमांटिक केमिस्ट्री देखने लायक है। जोशीले संगीत और फुल वाइब्स वाला यह गाना लोगों को बेहद पसंद आ रहा है। बता दें, फिल्म का निर्देशन होमी अदजानिया ने किया है। डिंपल कपाडिया भी फिल्म में नजर आ सकती हैं।

कॉकटेल 2 की कहानी पिछली फिल्म का विस्तार नहीं है, बल्कि यह नए किरदारों के साथ आधुनिक समय के रिश्तों, दोस्ती और भावनाओं के उतार-चढ़ाव को दिखाएगी। फिल्म एक रोमांचक रोड ट्रिप पर आधारित है, जिसकी शूटिंग इटली के सिसिली के अलावा दिल्ली और गुरुग्राम जैसे शहरों में की गई है। मडॉक फिल्म्स द्वारा निर्मित इस फिल्म को लव रंजन ने लिखा है और निर्देशन की कमान होमी अदजानिया ने संभाली है।

कॉकटेल 2 सिनेमाघरों में 19 जून, 2026 को दस्तक देने वाली है। हालांकि, इसकी राह आसान नहीं होगी क्योंकि इसी दौरान कई बड़ी फिल्में रिलीज़ हो रही हैं। यह फिल्म यश की टॉक्सिक के 15 दिन बाद और दिलजीत दोसांझ की फिल्म के ठीक एक हफ्ते बाद आएगी। साथ ही, वरुण धवन की हाय जवानी तो इश्क होना है से भी इसका कड़ा मुकाबला होने की उम्मीद है। दिलचस्प बात यह भी है कि रश्मिका मंदाना के लिए यह विजय देवरकोंडा के साथ उनकी शादी के बाद का पहला बड़ा प्रोजेक्ट होगा। अब देखना यह है कि क्या यह नई कॉकटेल पुरानी फिल्म जैसा जादू दोबारा बिखेर पाती है या नहीं।

फोटोग्राफर्स को देखकर क्या बोले श्रद्धा कपूर के बॉयफ्रेंड राहुल मोदी?

अभिनेत्री श्रद्धा कपूर के कथित बॉयफ्रेंड राहुल मोदी ने पैपराजी से मजाकिया अंदाज में एक बात कही। जिसके बाद वहां खड़े लोग अपनी हंसी नहीं रोक पाए। अभिनेत्री श्रद्धा कपूर और राहुल मोदी के रिलेशनशिप के चर्चे हर तरफहैं। फैंस इसकी तरफसे शादी की खुशखबरी के इंतजार में हैं। पैपराजी के स्पॉट करने पर राहुल उनसे मजाक करते दिखाई दिए। जहां उन्होंने श्रद्धा को लेकर कुछ ऐसा कहा कि वहां मौजूद हर कोई हंसने लगा। जानिए क्या बोले राहुल ?

राहुल ने पूछा किसे ढूंढ रहे हो?

एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर और राहुल मोदी के इश्क की खबरें अक्सर फैंस के बीच पहुंचती रहती हैं। एक्ट्रेस के रूमर्ड बॉयफ्रेंड राहुल मोदी को पैपराजी ने कहीं से निकलते हुए स्पॉट किया। जहां उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि 'किसे ढूंढ रहे हो, वो नहीं है यहां पर' जिसके बाद पैपराजी समेत वहां उपस्थित सभी लोग हंसने लगे। जिसके जवाब में पैपराजी ने कहा कि 'हम आपके लिए ही आए हैं' इसके बाद राहुल ने कहा, 'मेरे लिए क्यों आए हो?' उस वक्त राहुल के चेहरे पर खुशी साफदिख रही थी।

कब शुरू हुआ डेटिंग का सिलसिला?

श्रद्धा और राहुल की डेटिंग की खबरें 2024 में शुरू हुई थीं। पहले बार दोनो को साथ में मुंबई में डिनर डेट पर देखा गया था। जिसके बाद इस रूमर्ड कपल को कई जगह साथ दिखे। इतना ही नहीं श्रद्धा और राहुल ने कई इवेंट्स में साथ शिरकत की। हालांकि, दोनों की तरफ से रिश्ते पर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई।

श्रद्धा कपूर का वर्कफ्रंट

अभिनेत्री श्रद्धा कपूर को आखिरी बार स्त्री-2 में राजकुमार राव के साथ पर्दे पर देखा गया था। मगर अब आने वाले वक्त में एक्ट्रेस काफी व्यस्त हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक एक्ट्रेस ने आगामी फिल्म 'ईथा' की शूटिंग पूरी कर ली है। जिसमें उनके साथ रणदीप हुड्डा भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इसके आलावा श्रद्धा नागिन, स्त्री-3 में भी अभिनय कर रही हैं।

गर्मियों में पसीने की वजह से हो जाती है घमोरी? बचाव के लिए अपनाएं ये सुझाव

गर्मियों में सबसे ज्यादा परेशान करता है पसीना, जो उमस की वजह से बहुत बढ़ जाता है। ज्यादा पसीना निकलने के कारण त्वचा पर घमोरियां हो सकती हैं। इस समस्या की वजह से त्वचा पर लाल दाने, खुजली या जलन होती है। इसके उत्पन्न होने पर तो डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। हालांकि, अगर आप घमोरियों से बचना चाहते हैं तो इन 5 टिप्स का पालन करें। इनके जरिए आपका स्वास्थ्य सही रहेगा और आपको ज्यादा पसीना भी नहीं आएगा।

ढीले-ढाले सूती कपड़े पहनें

गर्मियों में ढीले-ढाले कपड़े पहनना सबसे अच्छा होता है। तंग कपड़े पहनने से पसीना निकलने की जगह नहीं मिलती, जिससे घमोरियां हो सकती हैं। सूती कपड़े इस मौसम में सबसे अच्छे होते हैं, क्योंकि ये त्वचा को हवा लगने देते हैं और पसीने को सोख लेते हैं। इसके अलावा ढीले कपड़े पहनने से त्वचा को आराम मिलता है और गर्मी से होने वाली जलन से बचाव होता है। इसलिए, हमेशा सूती और ढीले कपड़े ही पहनें।

रोजाना नहाएं

रोजाना नहाना एक अच्छी आदत है, जो गर्मियों के दौरान खासतौर से जरूरी है। इससे न केवल शरीर की गंदगी दूर होती है, बल्कि पसीने के कारण होने वाली घमोरियों से भी छुटकारा मिलता है। नहाने के लिए हल्का गुनगुना पानी इस्तेमाल करें और साबुन की जगह हल्के जेल या फोम का उपयोग करें। इससे आपकी त्वचा साफ रहेगी और तरोताजा महसूस होगा। इसके अलावा नहाने के बाद त्वचा को अच्छी तरह से सुखाना न भूलें।

त्वचा को नमी दें

नहाने के बाद त्वचा पर मॉइस्चराइजर लगाना जरूरी है। यह न केवल त्वचा को नमी देता है, बल्कि उसे मुलायम भी रखता है। इसके लिए हल्का और बिना खुशबू वाला मॉइस्चराइजर चुनें, जो आपकी त्वचा के प्रकार के अनुसार हो। इससे घमोरी होने की संभावना कम होती है और त्वचा पर ताजगी बनी रहती है। नियमित रूप से मॉइस्चराइजर लगाने से त्वचा की नमी बरकरार रहती है और वह स्वस्थ दिखती है।

धूप से बचाव करें

सूरज की हानिकारक किरणें भी घमोरी का कारण बन सकती हैं, इसलिए बाहर जाने से पहले अपनी त्वचा पर धूप से बचाव करने वाली क्रीम लगाएं। यह आपकी त्वचा को धूप से बचाती है और जलन होने से रोकती है। हर 2-3 घंटे बाद इसे दोबारा लगाना न भूलें, खासकर अगर आप लंबे समय तक बाहर रह रहे हैं। इसके अलावा सूरज की सीधी किरणों से बचने के लिए टोपी या छाते का इस्तेमाल करें।

पानी पीते रहें

शरीर को हाइड्रेट रखना जरूरी है, ताकि पसीना आसानी से निकल सके और शरीर ठंडा रहे। दिनभर में कम से कम 8-10 गिलास पानी पीएं और नारियल पानी, ताजे फलों का रस या इलेक्ट्रोलाइट पेय भी शामिल करें। इससे शरीर में पानी की कमी नहीं होगी और घमोरियां होने की संभावना कम होगी। इसके अलावा हाइड्रेट रहने से ऊर्जा बनी रहती है और थकान महसूस नहीं होती। अगर इन सबके बाद भी घमोरियां हो जाएं तो डॉक्टर से परामर्श करें।

स्ट्रैपलेस ड्रेस में पूजा हेगड़े ने बढ़ाया इंटरनेट का पारा, कातिलाना पोज पर फिदा हुए फैंस

पूजा हेगड़े इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। इसी बीच एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट ग्लैमरस फोटोशूट की तस्वीरें शेयर कर इंटरनेट का पारा बढ़ा दिया है। स्ट्रैपलेस ड्रेस में पूजा ने कातिलाना पोज दिए, जिन पर फैंस दिल हार बैठे।

पूजा हेगड़े ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपनी सिजलिंग तस्वीरें शेयर कर फैंस की धड़कनें बढ़ा दी. पूजा हेगड़े ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपनी सिजलिंग तस्वीरें शेयर कर फैंस की धड़कनें बढ़ा दी। एक्ट्रेस ने मिनिमल एक्सेसरीज़, सटल ग्लॉसी मेकअप और सॉफ्ट वेवी हेयर के साथ अपने ग्लैमरस लुक को और भी अट्रैक्टिव बना दिया। शेयर की गई तस्वीरों में पूजा हेगड़े एक से बढ़कर एक कातिलाना पोज देती नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। फैंस पूजा के इस ग्लैमरस लुक के दीवाने हो गए हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो एक्ट्रेस जल्द ही फिल्म है जवानी तो इश्क होना है में नजर आने वाली हैं। फिल्म में वरुण धवन और मृणाल ठाकुर भी लीड रोल में हैं। इस फिल्म को डेविड धवन ने डायरेक्ट किया है। फिल्म 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

रीढ़ की हड्डी को लचीला और मन को शांत बनाता है मारीच्यासन

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में अक्सर लोग तनाव, कमर दर्द और पाचन संबंधी समस्याओं से परेशान हैं। ऐसे में योग एक आसान और कारगर तरीका है, जो शरीर को लचीला बनाता है और मन को शांत रखता है। इसी कड़ी में मारीच्यासन एक ऐसा योगाभ्यास है, जिसके नियमित अभ्यास से रीढ़ की हड्डी लचीली होने समेत कई तरह की शारीरिक समस्याओं से निजात मिलता है। मारीच्यासन को मारीचि ऋषि के नाम पर जाना जाता है। मारीच्यासन शब्द संस्कृत से बना है। इसमें मारीच का अर्थ प्रकाश की किरण (सूर्य या चंद्रमा की किरण) होता है और आसन का अर्थ बैठने की मुद्रा या फिर योग की स्थिति होती है। इस आसन के नियमित अभ्यास करने से यह आसन कंधों, कमर, गर्दन और पैरों की मांसपेशियों को स्ट्रेच करता है। साथ ही पाचन तंत्र पर भी सकारात्मक असर डालता है।

आयुष मंत्रालय के अनुसार, मारीच्यासन मेरुदंड (रीढ़ की हड्डी) में लचीलापन बढ़ाने, पाचन क्रिया में सुधार करने और मधुमेह के प्रबंधन के लिए एक प्रभावी योगासन है। यह आसन शरीर में कार्य क्षमता को पुनर्जीवित करता है।

इसके नियमित अभ्यास से रक्त संचार (ब्लड सर्कुलेशन) बेहतर होता है, तनाव कम होता है और पेट के कई अंग सक्रिय होते हैं, जैसे लिवर, किडनी, प्लीहा, पेट, अग्न्याशय, छोटी आंत, पित्ताशय और प्रजनन तंत्र।

इसे करना बेहद आसान है। इसे करने के लिए सबसे पहले जमीन पर दंडासन की मुद्रा में बैठ जाएं। अब अपना दाहिना घुटना मोड़ें और बाएं हाथ को दाहिनी जांघ के बाहर रखें। सांस को छोड़ते हुए दाईं ओर मुड़ें और पीछे की तरफ देखें। संभव हो, तो हाथों को पीठ के पीछे पकड़ें। 5-10 गहरी सांसें लेकर दूसरी तरफ दोहराएं। शुरुआत में आसन को धीरे-धीरे और योग शिक्षक की देखरेख में करें। सांस पर पूरा ध्यान दें, जल्दबाजी न करें।

नियमित योग से न सिर्फ शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर होता है, बल्कि मानसिक शांति भी मिलती है। यह आसन शरीर को लचीला बनाता है और मन को शांत रखता है। वहीं, सही तरीके से सांस लेना और ध्यान केंद्रित करना इस आसन का सबसे बड़ा रहस्य है।

हालांकि, यह आसन करने से शरीर को कई तरह के लाभ मिलते हैं, लेकिन गर्भवती महिलाएं, गंभीर कमर दर्द या हाल ही में सर्जरी हुई हो तो डॉक्टर से सलाह लें।

खास खबर

सुशासन तिहार में मानवीय पहलः 85 प्रतिशत दिव्यांग छोटेलाल को मिलेगी मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल

रायपुर। प्रदेश में चल रहे सुशासन तिहार के दौरान जिले में प्रशासन की संवेदनशील कार्यशैली का प्रेरक उदाहरण सामने आया है। साप्ताहिक जनदर्शन में पहुंचे 85 प्रतिशत दिव्यांग हितग्राही छोटेलाल को कलेक्टर के निर्देश पर मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराने की प्रक्रिया तत्काल प्रारंभ कर दी गई। जनपद पंचायत भरतपुर के दूरस्थ ग्राम जामथान (पोस्ट-कजियाद) निवासी 55 वर्षीय छोटेलाल अपनी समस्या लेकर जनदर्शन में पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि गंभीर शारीरिक दिव्यांगता के कारण आवागमन में अत्यधिक कठिनाई होती है, जिससे दैनिक कार्य भी प्रभावित होते हैं। उन्होंने प्रशासन से मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। हितग्राही की स्थिति को देखते हुए कलेक्टर ने मामले को गंभीरता से लेते हुए समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। दस्तावेजों की जांच में छोटेलाल की 85 प्रतिशत दिव्यांगता प्रमाणित होने पर उन्हें योजना के लिए पात्र पाया गया। कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि सुशासन की भावना के अनुरूप प्रक्रिया को सरल बनाते हुए हितग्राही को शीघ्र लाभान्वित किया जाए, ताकि उन्हें अनावश्यक औपचारिकताओं का सामना न करना पड़े। मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल की स्वीकृति की जानकारी मिलते ही छोटेलाल के चेहरे पर संतोष और खुशी दिखाई दी।

धमतरी को नई पर्यटन पहचान दिलाने की तैयारी में जुटा जिला प्रशासन

धमतरी। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला पर्यटन समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले की विभिन्न पर्यटन समितियों के पदाधिकारियों एवं प्रतिनिधियों के साथ पर्यटन स्थलों के विकास, व्यवस्थाओं के विस्तार और प्रचार-प्रसार को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक को संबोधित करते हुए कलेक्टर मिश्रा ने कहा कि जिले की पर्यटन समितियां पर्यटन के क्षेत्र में सराहनीय कार्य कर रही हैं। वर्तमान में धमतरी जिला मुख्य रूप से गंगरेल डैम के नाम से प्रसिद्ध है, जहां बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं, लेकिन आने वाले समय में धमतरी की पहचान रुद्रेश्वर कॉरिडोर, महानदी उद्गम स्थल और फैमिली आईलैंड जैसे आकर्षक पर्यटन स्थलों के रूप में भी स्थापित होगी। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा इन स्थलों के समग्र विकास के लिए विस्तृत कार्ययोजना बनाकर कार्य किया जा रहा है। कलेक्टर मिश्रा ने कहा कि पर्यटन समितियों को अधिक सुंदर, व्यवस्थित, आकर्षक और सुविधायुक्त बनाने के लिए जिला प्रशासन हरसंभव सहयोग प्रदान करेगा। उन्होंने समितियों से पंजीयन संबंधी आवश्यकताओं की जानकारी लेते हुए सभी पर्यटन समितियों को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सक्रिय होने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में सोशल मीडिया प्रचार-प्रसार का सबसे प्रभावी माध्यम है, इसलिए सभी समितियां अपने आधिकारिक सोशल मीडिया स्थानीय आकर्षणों और सुविधाओं का नियमित प्रचार करें।

मुख्यमंत्री साय की सुशासन की परिकल्पना को मिल रहा जनसमर्थन

कलेक्टर डॉ. संतोष कुमार देवांगन का सख्त निर्देश - सीमांकन, पेंशन और राशन कार्ड के आवेदनों का दो दिनों में करें निराकरण

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में संचालित सुशासन तिहार अब जनविश्वास और जनभागीदारी का सशक्त माध्यम बनता जा रहा है। शासन की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने, ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित समाधान करने तथा प्रशासन को आमजन के द्वार तक ले जाने की इस अभिनव पहल के अंतर्गत गौरेला-पेन्ड्रा-मरवाही जिला के पेंड्रा विकासखंड के ग्राम पंचायत बम्हनी में जिले का आठवां जन समस्या निवारण शिविर आयोजित किया गया।

इस शिविर में जहां संवेदनशील कार्यशैली अपनाते हुए मौके पर ही विभिन्न मांगों एवं शिकायतों का त्वरित निराकरण किया गया। शिविर की सबसे विशेष बात यह रही कि कलेक्टर डॉ. संतोष कुमार देवांगन ने स्वयं आवेदकों के नाम पुकारकर उन्हें मंच के समक्ष बुलाया और संबंधित विभागीय अधिकारियों से उनके आवेदनों की वर्तमान स्थिति तथा निराकरण की जानकारी ग्रामीणों के बीच साझा करने को कहा।

कलेक्टर ने सीमांकन, पेंशन एवं राशन कार्ड से संबंधित आवेदनों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को दो दिनों के भीतर जांच कर निराकरण सुनिश्चित करने तथा प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनसमस्याओं के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि यदि कोई प्रारंभिक सीमांकन से असंतुष्ट है, तो वह नियमानुसार पुनः सीमांकन हेतु कलेक्टर न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत कर सकता है।

शिविर में बकरी पालन हेतु शेड निर्माण के लिए बड़ी संख्या में आवेदन प्राप्त होने पर कलेक्टर ने त्वरित रणनीतिक निर्णय लिया। उन्होंने आजीविका मिशन और जनपद पंचायत के अधिकारियों को निर्देशित किया कि ग्राम कोडगार में स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा संचालित बकरी पालन की तर्ज पर अब ग्राम पंचायत मुरमुर को भी बकरी पालन क्लस्टर के रूप में विकसित किया जाए, ताकि ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और स्वरोजगार को नया आयाम मिल सके।

पेयजल, वनाधिकार और राजस्व मामलों पर विशेष ध्यानः लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को आवश्यकतानुसार नए हैंडपंप खनन एवं खराब हैंडपंपों की त्वरित मरम्मत सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। वन अधिकार पत्र, ऋण पुस्तिका से संबंधित आवेदनों पर वन विभाग के अधिकारियों को अधीनस्थ अमले व रिकॉर्ड के साथ शिविर में ही छानबीन कर त्वरित निराकरण करने को कहा गया।

13 ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों ने उठाया शिविर का लाभः इस शिविर में ग्राम पंचायत कोडगार, घाटबहरा, बम्हनी, जिल्दा, खरड़ी, मुरमुर, घघरा, अमाडांड, जाटादेवरी, बसंतपुर, सोनबचरवार, लाटा एवं जमड़ीखुर्द सहित कुल 13 ग्राम पंचायतों के ग्रामीण बड़ी संख्या में शामिल हुए। जिला पंचायत अध्यक्ष समीरा पैकरा एवं उपाध्यक्ष राजा उपेन्द्र बहादुर सिंह ने ग्रामीणों से शासन की कल्याणकारी योजनाओं को समझकर उनका अधिकतम लाभ उठाने का आह्वान किया।

सुशासन तिहार में सीधे मिला लाभः यह शिविर केवल शिकायतों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह प्रत्यक्ष लाभ वितरण का प्रभावी मंच बना। कार्यक्रम के दौरान गर्भवती महिलाओं की गोद भराई एवं बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार कराया गया। हितग्राहियों को जाति प्रमाण पत्र, आर्थिक सहायता राशि के चेक, आबादी भूमि अधिकार पत्र, बी-वन खसरा, वोटर आईडी कार्ड, किसान किताब, प्रधानमंत्री आवास योजना की चाबी, दिव्यांगजनों को छड़ी एवं वॉकर, आयुष्मान कार्ड, मितानिन दवा किट तथा लर्निंग लाइसेंस वितरित किए गए।

शिविर में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, एसडीएम पेंड्रारोड, जिला पंचायत सदस्य पूर्णिमा पैकरा, पवन पैकरा, जनपद अध्यक्ष अजीत हेम कुंवर श्याम सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

धान की खेती के विकल्प के रूप में औषधीय पौधों की खेती अपनाने के लिए किसान प्रेरित

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड द्वारा राज्य वन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, रायपुर के परिसर में आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक समापन हुआ। कार्यशाला के दूसरे दिन धान की खेती के बदले औषधीय पौधों की खेती विषय पर विशेष सत्र आयोजित किया गया। इसमें अभनपुर विकासखंड के जनप्रतिनिधियों, धान खरीदी समिति के सदस्यों, महिला स्व-सहायता समूहों तथा विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की।

कार्यशाला के तकनीकी सत्र में औषधीय पौधों की खेती के सलाहकार एवं सेवानिवृत्त वनमंडलाधिकारी श्री डी.के.एस. चौहान ने विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। उन्होंने कृषकों को ब्राह्मी, वच, सतावर, लेमनग्रास और खस जैसे उच्च मूल्य वाले औषधीय पौधों की व्यावसायिक खेती की तकनीकी बारीकियों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि औषधि पादप बोर्ड द्वारा इच्छुक किसानों को औषधीय पौधों के निःशुल्क पौधे उपलब्ध कराए जाते हैं, समय-समय पर तकनीकी प्रशिक्षण दिया जाता है तथा सफल कृषकों के खेतों का अध्ययन भ्रमण भी कराया जाता है ताकि किसान व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त कर सकें।

समापन सत्र को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए छत्तीसगढ़ औषधि पादप बोर्ड के उपाध्यक्ष श्री अंजय शुक्ला ने कहा कि पारंपरिक धान की खेती के बदले औषधीय पौधों की खेती अपनाना किसानों की आय को कई गुना बढ़ाने के लिए एक बेहतरीन और वैज्ञानिक विकल्प है। हमारा बोर्ड केवल उत्पादन तक सीमित नहीं है, बल्कि अनुबंधित संस्थाओं के माध्यम से किसानों की पूरी उपज की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी की सुनिश्चित व्यवस्था भी करता है। यह देश की सबसे प्रभावी और भरोसेमंद योजनाओं में से एक है। उन्होंने उपस्थित सभी त्रिस्तरीय पंचायती राज जनप्रतिनिधियों से आह्वान किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों के ग्रामीण किसानों को औषधीय खेती अपनाने के लिए निरंतर प्रोत्साहित करें।

कार्यशाला के सभी संभागियों और कृषकों को प्रायोगिक तौर पर रोपण हेतु भस्मपत्ती, कपूर कचरी और हठजोड़ के औषधीय पौधों का निःशुल्क वितरण किया गया। इस अवसर पर तकनीकी विशेषज्ञ डी.के.एस. चौहान, प्रगति पटेल, अभनपुर जनपद पंचायत के उपाध्यक्ष खेलूराम साहू, स्वयं सहायता समूह, अशासकीय संगठन के प्रतिनिधि सहित वनांचल एवं ग्रामीण अंचलों से आए बड़ी संख्या में प्रगतिशील कृषक और प्रतिनिधि उपस्थित थे।

सुशासन तिहार में कौशल्या गौड़ को मिली श्रवण यंत्र की सौगात

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। सुशासन तिहार-2026 के अंतर्गत लगने वाले शिविरों की कड़ी में विगत 23 मई को दुर्ग शहर के पुराना गंज मंडी प्रांगण में आयोजित सुशासन तिहार शिविर कई परिवारों के लिए बड़ी राहत लेकर आया। इसी कड़ी में, वार्ड क्रमांक 26 संतरा बाड़ी की निवासी श्रीमती कौशल्या गौड़ भी अपनी समस्या के समाधान की आस लेकर इस शिविर में शामिल हुईं।

कौशल्या जी लंबे समय से सुनने की गंभीर समस्या (श्रवण बाधिता) से जूझ रही थीं, जिसके कारण उनका दैनिक जीवन बेहद चुनौतीपूर्ण हो गया था। आसपास की बातें और अपनों की आवाजें स्पष्ट न सुन पाने के कारण वे सामाजिक और व्यक्तिगत स्तर पर लगातार एकाकीपन और परेशानियों का सामना कर रही थीं। इस शारीरिक असमर्थता का कोई स्थाई समाधान नहीं मिल पा रहा था। सुशासन तिहार शिविर ने उनकी इस वर्षों पुरानी तकलीफको चंद मिनटों में दूर कर दिया। शिविर में उपस्थित अधिकारियों ने कौशल्या जी की समस्या को बेहद गंभीरता से सुना और तत्काल त्वरित कार्रवाई करते हुए उन्हें कैबिनेट मंत्री श्री गजेंद्र यादव के हाथों कान की मशीन प्रदान की। आधुनिक श्रवण यंत्र की सहायता से अब वे स्पष्ट रूप से सुनने में सक्षम हो गई हैं, जिससे उनके जीवन में पुनः सकारात्मक बदलाव आया है। इस त्वरित समाधान से गदगद कौशल्या गौड़ ने प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और जिला प्रशासन का सहृदय आभार व्यक्त किया।

सुशासन तिहार बना बुजुर्गों और जरूरतमंदों का सहारा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा संचालित सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत आयोजित जन समस्या निवारण शिविर आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान के साथ उनके जीवन में नई उम्मीद और विश्वास भी जगा रहे हैं। इसी कड़ी में मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के ग्राम आमाडुला निवासी 76 वर्षीय दिव्यांग वृद्ध कीर्तन भंडारी के लिए यह शिविर राहत और एक मजबूत सहारे का माध्यम बनकर सामने आया।

पारिवारिक पृष्ठभूमि और कठिनाइयों को रेखांकित करते हुए प्रतिवेदन में बताया गया कि बढ़ती उम्र और शारीरिक कमजोरी के कारण कीर्तन भंडारी को चलने-फिरने में काफी गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। आठ सदस्यीय बड़ा परिवार होने के बावजूद, शारीरिक दिव्यांगता के चलते उनके दैनिक जीवन की चुनौतियां लगातार कठिन होती जा रही थीं।

ऐसे समय में सुशासन तिहार के तहत आयोजित इस विशेष शिविर में जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की टीम ने उनकी स्थिति को अत्यंत संवेदनशीलता के साथ समझा और मौके पर ही समाधान सुनिश्चित किया। शिविर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा भंडारी को तत्काल निम्नलिखित लाभ प्रदान किए गए। चलने-फिरने में आ रही असमर्थता को दूर करने के लिए उन्हें तुरंत वॉकर स्टिक उपलब्ध कराई गई, जिससे अब वे बिना किसी निर्भरता के आसानी से आवागमन कर पा रहे हैं। इस विशेष योजना के तहत उनका कार्ड बनाकर मौके पर ही सौंपा गया, जिससे अब उनके लिए भविष्य में निःशुल्क और उन्नत स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ उठाना बेहद सुगम हो गया है।

आयुष विभाग द्वारा संचालित हो रहे चार राष्ट्रीय कार्यक्रम, मिल रहा लाभ

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। आयुष विभाग द्वारा चार प्रमुख राष्ट्रीय आयुष कार्यक्रमों का सफल संचालन किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों के माध्यम से स्कूली बच्चों, गर्भवती माताओं, नवजात शिशुओं, असाध्य रोगों से ग्रसित रोगियों एवं जोड़ों व मांसपेशियों संबंधी विकारों से पीड़ित लोगों को आयुर्वेद पद्धति से चिकित्सा एवं देखभाल की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

राष्ट्रीय आयुष कार्यक्रम 'आयुर्विद्या' के तहत स्कूली बच्चों में आयुर्वेद के प्रति जागरूकता उत्पन्न करते हुए उनकी जीवनशैली में सुधार लाने का प्रयास किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों की स्वास्थ्य जांच, योग के प्रति प्रशिक्षण एवं आयुर्वेद विषयक जागरूकता व्याख्यान पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया है। साथ ही विद्यार्थियों को औषधीय उद्यान एवं आयुर्वेद चिकित्सालयों के भ्रमण की सुविधा भी दी जा रही है, जिससे उनमें आयुष पद्धति के प्रति रुचि उत्पन्न हो सके।

इसी प्रकार राष्ट्रीय आयुष कार्यक्रम सुप्रजा के अंतर्गत गर्भवती माताओं की देखभाल, उचित गर्भिणीचर्या, नवजात एवं शिशु की देखभाल के साथ-साथ ए.एन.सी., पी.एन.सी. एवं गर्भ संस्कार के माध्यम से सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आयुर्वेदिक पद्धति से माताओं एवं शिशुओं के स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाना है, जिससे एक स्वस्थ पीढ़ी का निर्माण हो सके। राष्ट्रीय कार्यक्रम ''कारूण्य-पैलिएटिव केयर'' (प्रशामक देखभाल) एक ऐसा संवेदनशील दृष्टिकोण है, जो जीवन-घातक बीमारियों से जूझ रहे रोगियों एवं उनके परिजनों की शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक समस्याओं की प्रारंभिक पहचान कर उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाता है। इस कार्यक्रम के तहत चिकित्सकों एवं कर्मचारियों की टीम द्वारा घर-घर जाकर असाध्य रोगियों का उपचार एवं देखभाल की जा रही है। यह कार्यक्रम मानवीय दृष्टिकोण से अत्यंत संवेदनशील एवं समाजोपयोगी सिद्ध हो रहा है तथा रोगियों के परिजनों के लिए भी एक बड़ा संबल बना है।

वहीं ऑस्टियोआर्थराइटिस एवं मस्कुलोस्केलेटल डिसऑर्डर कार्यक्रम जोड़ों एवं मांसपेशियों संबंधी विकारों से पीड़ित लोगों के लिए संचालित एक विशेष पहल है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य मरीजों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाना तथा उन्हें जोड़ों व मांसपेशियों की समस्याओं के प्रभावी प्रबंधन में सहायता प्रदान करना है।

राज्य सहकारी विकास समिति की उच्च स्तरीय बैठक संपन्न, पैक्स समितियों को बहुआयामी बनाने पर जोर

सहकारिता की मजबूती से किसानों को बनाया जाए आत्मनिर्भर- मुख्य सचिव

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव विकासशील ने राज्य की सहकारी समितियों के माध्यम से किसानों तक खाद, बीज, दवा, बैंकिंग और रोजगार जैसी बुनियादी सुविधाएं सुलभता से पहुंचाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने राज्य के कृषकों को सशक्त बनाने के लिए सहकारी समितियों के सुदृढ़ीकरण पर विशेष बल दिया है। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि प्रदेश की प्रत्येक ग्राम पंचायत में सहकारी समिति का संचालन सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही प्राथमिक कृषि साख समितियों को बहुआयामी स्वरूप प्रदान करने के लिए उन्हें दुग्ध, मत्स्य पालन और लघु वनोपज के कार्यों से सीधे जोड़ा जाए।

मंत्रालय में आयोजित राज्य सहकारी विकास समिति की इस महत्वपूर्ण बैठक में समितियों के गठन, उद्देश्यों और आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। सहकारी क्षेत्र के अंतर्गत पैक्स (च्ैब्) गोदामों के निर्माण की प्रगति की गहन समीक्षा की गई। समितियों के माध्यम से प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र और कॉमन सर्विस सेंटर जैसी आवश्यक सुविधाएं ग्रामीण अंचलों में विस्तारित करने पर जोर दिया गया।

बैठक में राज्य की सभी पैक्स समितियों को राष्ट्रीय मुख्यधारा से जोड़ने के लिए भारतीय बीज सहकारी समिति, राष्ट्रीय सहकारी निर्यात समिति और राष्ट्रीय जैविक सहकारी समिति की अनिवार्य सदस्यता दिलाने की रणनीति पर चर्चा की गई। समर्थन मूल्य पर मक्का और दलहन के सुचारू उपार्जन हेतु पैक्स समितियों एवं किसानों का पंजीयन के आधिकारिक पोर्टल्स पर करने के निर्देश दिए गए हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए पैक्स, दुग्ध एवं मत्स्य सहकारी समितियों में माइक्रो एटीएम (डपबतव ।न्ड) स्थापित करने तथा सभी सदस्यों को रूपे , किसान क्रेडिट कार्ड उपलब्ध कराने के कार्यों की समीक्षा की गई।

मुख्य सचिव ने राज्य के सहकारी शक्कर कारखानों में मल्टीफील्ड इथेनॉल संयंत्रों के निर्माण की प्रक्रिया को गति देने के लिए तत्काल समुचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त, राज्य के शहरी सहकारी बैंकों को अम्ब्रेला संगठन से जोड़ने, जिला सहकारी केंद्रीय बैंकों में इंटरनेट बैंकिंग शुरू करने, पैक्स कम्प्यूटरीकरण, पीएम किसान समृद्धि केंद्रों की स्थापना, समितियों के लिए श्रैंकिंग फ्रेमवर्कश् तैयार करने तथा पैक्स के माध्यम से ग्रामीण पाइप जलापूर्ति योजनाओं के संचालन की प्रगति का भी मूल्यांकन किया गया। इस बैठक में वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अपर मुख्य सचिव मनोज पिंगुआ, वित्त विभाग के सचिव डॉ. रोहित यादव, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी, सहकारिता विभाग के सचिव डॉ. सी.आर. प्रसन्ना और आयुक्त सहकारिता महादेव कावरे प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

सुशासन तिहार में हितामेटा बना जनसेवा का बड़ा केंद्र

ग्रामीणों को मिला योजनाओं का त्वरित लाभ, नुक्कड़ नाटक ने जगाई स्वच्छता की अलख

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। दंतेवाड़ा जिले के गीदम विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत हितामेटा में आयोजित सुशासन तिहार-2026 के जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर में ग्रामीणों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा आमजन की समस्याएं सुनकर उनके त्वरित निराकरण की प्रक्रिया अपनाई गई। शिविर में कुल 359 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से अनेक आवेदनों का मौके पर ही निराकरण कर हितग्राहियों को राहत प्रदान की गई।

शिविर में पात्र हितग्राहियों को राशन कार्ड, किसान क्रेडिट कार्ड और आयुष्मान कार्ड वितरित किए गए। इससे ग्रामीणों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का सीधा लाभ मिला। मछली पालन विभाग द्वारा विभागीय योजनाओं की जानकारी देते हुए प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना के अंतर्गत चयनित दो मत्स्य कृषकों को मत्स्य आखेट के लिए एक-एक मछली जाल और आइस बॉक्स प्रदान किया गया। इससे ग्रामीण मत्स्य पालकों की आजीविका को मजबूती मिलेगी। शिविर के दौरान नुक्कड़ नाटक के माध्यम से विशेष स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया। कलाकारों ने स्वच्छता, स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए ग्रामीणों को साफ-सफाई बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। नुक्कड़ नाटक के जरिए खुले में कचरा न फैलाने, स्वच्छ पेयजल के उपयोग और ग्राम स्वच्छता बनाए रखने का संदेश दिया गया। ग्रामीणों ने प्रस्तुति की सराहना करते हुए स्वच्छ ग्राम निर्माण में सहयोग देने का संकल्प लिया।

खास खबर

बाइक चोरी का बिजनेस शुरू किया था, पहला मुनाफा जेल वारंट निकला

दुर्ग। भिलाई और दुर्ग में लगातार बाइक चोरी की वारदातों से परेशान लोगों को आखिरकार राहत मिल गई, जब चोरी की मोटर सायकल बेचने ग्राहक तलाश रहे आरोपी को पुलिस ने फिल्मी अंदाज में घेराबंदी कर पकड़ लिया। दुर्ग क्षेत्र में हुई बाइक चोरी से जुड़ा है, जहां प्रगति नगर कैम्प-1 भिलाई निवासी कोमल देवांगन उम्र 38 वर्ष ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उसकी होंडा साइन मोटर सायकल क्रमांक सीजी 07 बीई 6696 अज्ञात चोर चोरी कर ले गए हैं। रिपोर्ट पर थाना छावनी में अपराध क्रमांक 342/2026 धारा 303(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। सूचना मिलते ही एसीसीयू टीम और थाना छावनी पुलिस हरकत में आई और संयुक्त कार्रवाई करते हुए आरोपी सलीम मलिक निवासी सोनिया गांधी नगर उत्तम टाकिज के पीछे भिलाई को घेराबंदी कर पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने पावर हाउस ओव्हर ब्रिज भिलाई और पोलसाय पारा दुर्ग क्षेत्र से मोटर सायकल चोरी करना कबूल कर लिया। आरोपी के कब्जे से थाना छावनी और थाना दुर्ग क्षेत्र से चोरी हुई दो मोटर सायकल बरामद की गई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ विधिसम्मत कार्रवाई कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

कॉपर उड़ाने की कोशिश नाकाम, स्कैब चोर पुलिस के गिरफ्त में

भिलाई। भिलाई भट्ठी थना क्षेत्र अंतर्गत प्लेट मिल-03 के पीछे स्थित इलाके में आरोपी नेमचंद यादव और उसके साथी चोरी की बड़ी वारदात को अंजाम देने पहुंचे थे। आरोपियों ने संयंत्र परिसर में अवैध तरीके से प्रवेश किया और 210 किलोग्राम स्कैब कॉपर को वाहन में लोड कर बाहर ले जाने की कोशिश की, लेकिन सीआईएसएफ की सतर्क नजरों ने पूरे ऑपरेशन पर पानी फेर दिया। सूचना मिलते ही थाना भिलाई भट्ठी पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पूछताछ में आरोपी नेमचंद यादव उम्र 32 वर्ष निवासी स्टेशन मरोदा बीआरपी कॉलोनी वार्ड 16 आजाद स्कूल के पास नेवई जिला दुर्ग ने अपने साथियों के साथ मिलकर चोरी करना स्वीकार कर लिया। आरोपी ने बताया कि स्कैब कॉपर को स्वीफ्ट वाहन क्रमांक सीजी 07 बीएफ 9243 में भरकर ले जाया जा रहा था। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 210 किलो स्कैब कॉपर और घटना में प्रयुक्त वाहन जब्त किया, जिसकी कुल अनुमानित कीमत 1 लाख 26 हजार रुपए आंकी गई है। आरोपी को 25 मई 2026 को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जबकि मामले में शामिल अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक प्रकाश कांत, सउनि भारत सिंह चौधरी और प्रधान आरक्षक पुरुषोत्तम साहू की अहम भूमिका रही। बहरहाल, औद्योगिक संपत्ति पर नजर गड़ाने वालों को दुर्ग पुलिस ने साफ संदेश दे दिया है कि चोरी का हर रास्ता अब सीधे जेल तक जाता है।

बेटे ने पिता को डंडे से पीट-पीटकर मार डाला

रायपुर में शराब पीने दोस्तों को घर बुलाने की बात पर विवाद, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर जिले के तिल्दा-नेवरा इलाके में बेटे ने पिता की हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि शराब पीने और घर में दोस्तों को बुलाकर शराबखोरी करने को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ था। विवाद इतना बढ़ गया कि बेटे ने लकड़ी के डंडे से अपने पिता पर हमला कर दिया।

गंभीर चोट लगने से पिता की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद तिल्दा-नेवरा थाना पुलिस ने आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपी का नाम बीरेंद्र कोठारी उर्फ राजू और मृतक का नाम संतू कोठारी बताया जा रहा है।

शराब पीने को लेकर विवाद

तिल्दा-नेवरा पुलिस के अनुसार घटना वार्ड क्रमांक-4 की है। पुलिस के मुताबिक 25 मई की रात करीब 9 बजे आरोपी बीरेन्द्र कोठारी उर्फ राजू और उसके पिता संतू कोठारी के बीच विवाद शुरू हुआ। बताया जा रहा है कि घर में शराब पीने और अन्य लोगों को बुलाकर शराब सेवन कराने की बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हुई थी।

विवाद बढ़ने पर आरोपी गुस्से में आ गया। उसने घर में रखा लकड़ी का डंडा उठाकर अपने पिता पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। आरोपी ने शरीर के कई हिस्सों पर वार किए, जिससे संतू कोठारी गंभीर रूप से घायल हो गए। अधिक खून बहने और गंभीर चोटों के कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

वारदात के बाद सबूत मिटाने की कोशिश

पुलिस के अनुसार वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी ने खुद को बचाने के लिए सबूत मिटाने की कोशिश भी की। उसने घटनास्थल की सफाई कर मृतक को खाट पर लिटा दिया, ताकि मामला सामान्य मौत जैसा प्रतीत हो।

घटना की सूचना मिलने के बाद तिल्दा-नेवरा पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मर्ग कायम कर पंचनामा कार्रवाई की और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। मौके से जरूरी भौतिक साक्ष्य भी जब्त किए गए।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी बीरेन्द्र कोठारी उर्फ राजू को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल लकड़ी का डंडा भी बरामद कर लिया है।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। मामले की आगे की जांच जारी है। आरोपी की गिरफ्तारी की पुष्टि डीएसपी वीरेंद्र चतुर्वेदी ने की है।

इंस्टाग्राम पर बीमारी का ड्रामा, इमोशनल जाल में फंसाकर 3 लाख ठगने वाला गैंग गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। ब्लड कैंसर, माईग्रेन और पारिवारिक प्रताड़ना की दर्दभरी कहानी सुनाकर सोशल मीडिया पर भरोसा जीतने वाले तीन शातिर ठग आखिरकार बसंतपुर पुलिस के शिकंजे में आ गए। इंस्टाग्राम से शुरू हुई दोस्ती धीरे-धीरे ऐसा भावनात्मक जाल बन गई जिसमें फंसकर एक युवक ने अलग-अलग किश्तों में पूरे 3 लाख रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर कर दिए।

प्रार्थी ने शिकायत दर्ज कराई कि अप्रैल 2024 में उसकी पहचान इंस्टाग्राम के जरिए मोनू कुमार चिरावतकर, कविता उर्फ दामिनी और सोनल उर्फ बबीता से हुई थी।

बातचीत बढ़ने के बाद आरोपीगण खुद को ब्लड कैंसर, माईग्रेन और गंभीर बीमारियों से पीड़ित बताते रहे। कभी इलाज के नाम पर, कभी राशन और कभी परिवार की मजबूरी बताकर पैसे मांगे जाते रहे। भावनात्मक रूप से टूट चुके प्रार्थी ने भरोसे में आकर 3 लाख रुपए ट्रांसफर कर दिए, लेकिन जब रकम वापस मांगी गई तो उसे झूठे केस में फंसाने की धमकी मिलने लगी। शिकायत मिलते ही थाना बसंतपुर में अपराध क्रमांक 244/2026 धारा 318(4), 308, 351(2), 3(5) भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज किया गया।

पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देशन में निरीक्षक एमन साहू की टीम ने दबिश देकर आरोपी मोनू कुमार चिरावतकर उम्र 35 वर्ष, कविता उर्फ दामिनी उम्र 19 वर्ष और सोनल उर्फ बबीता उम्र 22 वर्ष निवासी ग्राम टेडेसरा थाना सोमनी को गिरफ्तार किया।

शराब के अवैध कारोबारियों पर धमतरी पुलिस का लगातार प्रहार

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। अवैध शराब बिक्री करते पकड़े गए आरोपी को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया जेल, जिले में लगातार जारी है कार्यवाही अभियान

पुलिस अधीक्षक धमतरी के निर्देशन में जिलेभर में मादक पदार्थ, अवैध शराब एवं जुआ-सट्टा के विरुद्ध लगातार विशेष अभियान चलाकर प्रभावी वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। अवैध गतिविधियों में संलिप्त असामाजिक तत्वों पर लगातार नजर रखी जाकर सख्त कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही है। इसी क्रम में थाना भखारा पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि रोशन राइस मिल स्थित नीम पेड़ पुल के पास एक व्यक्ति अवैध रूप से शराब बिक्री कर रहा है।

जिसकी सूचना पर थाना भखारा पुलिस द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी कर आरोपी राजु साहू उर्फ तुलसी साहू पिता महेत्तर साहू उम्र 54 वर्ष निवासी वार्ड क्रमांक 03 भखारा को अवैध रूप से शराब बिक्री करते पकड़ा गया।

आरोपी के कब्जे से 30 पौवा देशी प्लेन शराब कीमती 2,400/- रुपए जप्त किया गया। आरोपी के विरुद्ध थाना भखारा में अपराध क्रमांक 54/26 धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्यवाही करते हुए आरोपी को न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है।

आरोपी का नाम- राजु साहू उर्फ तुलसी साहू पिता महेत्तर साहू उम्र 54 वर्ष निवासी वार्ड क्रमांक 03 भखारा थाना भखारा जिला धमतरी (छ.ग.)।

फेक मैरिज-पार्टी को लेकर बवाल : ग्रामीणों के विरोध के बाद पहुंची पुलिस, मैनेजर पर कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग जिले के जेवरा सिरसा चौकी क्षेत्र स्थित कोसी एयरो क्लब रिसोर्ट में 30 मई को आयोजित होने वाली फेक मैरिज पार्टी को लेकर रविवार देर रात विवाद की स्थिति बन गई। आयोजन की जानकारी मिलते ही आसपास के गांवों के लोग नाराज होकर रिसोर्ट पहुंचे और विरोध प्रदर्शन किया।

ग्रामीणों का कहना था कि इस तरह के आयोजन से हिंदू विवाह संस्कार का मजाक बनाया जा रहा है और उनकी धार्मिक भावनाएं आहत हो सकती हैं। वहीं, मामले की सूचना मिलने पर जेवरा सिरसा चौकी पुलिस मौके पर पहुंची। ग्रामीणों और रिसोर्ट प्रबंधन के बीच तीखी बहस चल रही थी।

माहौल धीरे-धीरे तनावपूर्ण होता जा रहा था। पुलिस ने दोनों पक्षों को समझाइश देकर स्थिति शांत कराने का प्रयास किया। पुलिस के अनुसार आयोजन को लेकर क्षेत्र में तनाव बढ़ने और कानून-व्यवस्था बिगड़ने की आशंका थी।

इसी को देखते हुए पुलिस ने कोसी रिसोर्ट के मैनेजर ब्रह्म दत्त पांडे के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की। उनके खिलाफ भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 170 के तहत कार्रवाई करते हुए उन्हें एसडीएम न्यायालय में पेश किया गया।

30 मई को होना था आयोजन

धमधा रोड स्थित कोसी रिसोर्ट में 30 मई, शनिवार की रात फेक मैरिज पार्टी आयोजित की जानी थी। इस पार्टी में केवल कपल एंट्री रखी गई थी और इसके लिए 499 रुपए एंट्री फीस तय की गई थी। आयोजन में शामिल होने वाले कपल्स को दूल्हा-दुल्हन के ड्रेस कोड में तैयार होकर पहुंचना था।

पार्टी के लिए डीजे नाइट समेत मनोरंजन की अलग-अलग तैयारियां की गई थीं। हालांकि विवाद बढ़ने के बाद रिसोर्ट प्रबंधन ने तेज गर्मी और मौसम का हवाला देते हुए फेक मैरिज पार्टी को फिलहाल स्थगित करने की घोषणा कर दी है।

ग्रामीणों ने जताई आपत्ति, पुलिस ने की कार्रवाई

ग्रामीणों का कहना था कि शादी जैसे पवित्र संस्कार को मनोरंजन या थीम पार्टी के रूप में पेश करना गलत है। इससे समाज में गलत संदेश जाता है और धार्मिक भावनाएं आहत हो सकती हैं। विरोध कर रहे लोगों ने आयोजन को तत्काल बंद कराने की मांग भी की।

प्रशासन ने दी कार्रवाई की चेतावनी

हालांकि पुलिस की मौजूदगी में स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया और किसी तरह की अप्रिय घटना नहीं हुई। एएसपी मणिशंकर चंद्रा ने कहा कि यदि किसी आयोजन से सामाजिक या धार्मिक विवाद की स्थिति बनने की आशंका होती है, तो प्रशासन कानून के तहत आवश्यक कार्रवाई करेगा।

19.21 लाख गबन करने वाला सहायक डाकपाल गिरफ्तार

शेयर मार्केट में नुकसान से कर्ज में डूबा था आरोपी, न्यायिक रिमांड पर भेजा जेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। जांजगीर-चांपा के अकलतरा पोस्ट ऑफिस के सहायक डाकपाल को 19 लाख 21 हजार रुपये के गबन और धोखाधड़ी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने खाताधारकों के पैसे फर्जी तरीके से निकालकर शेयर मार्केट और जुए में लगाए थे। उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

यह मामला अकलतरा डाकघर में वित्तीय अनियमितताओं की शिकायत के बाद सामने आया। एक संयुक्त जांच टीम ने पड़ताल की, जिसमें सहायक डाकपाल संदीप कुमार मिरी (32 वर्ष, निवासी बलौदा) की ओर से चार अलग-अलग खाताधारकों के खातों से कुल 19 लाख 21 हजार रुपये का गबन करने का खुलासा हुआ।

पीड़ित खाताधारकों की शिकायत पर अकलतरा थाने में मामला दर्ज किया गया था। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी संदीप कुमार मिरी लंबे समय से शेयर मार्केट में ट्रेडिंग कर रहा था। इसमें लगातार नुकसान होने के कारण वह भारी कर्ज में डूब गया था।

उस पर लगभग 20 लाख रुपए से अधिक का कर्ज बताया जा रहा है, जिसमें कई बैंकों और

पोस्ट ऑफिस विभाग से लिए गए लाखों रुपये के लोन भी शामिल हैं।

फर्जी खाते खोलकर निकाले ग्राहकों के पैसे

पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि वह साल 2021 से शेयर मार्केट में निवेश कर रहा था। नुकसान बढ़ने पर उसने ग्राहकों के फर्जी खाते खोलकर उनसे पैसे निकालने शुरू कर दिए।

पुलिस ने आरोपी के पास से दो मोबाइल फोन और शेयर मार्केट एप्लीकेशन 'ग्रो' तथा 'एंजल वन' के डीमैट अकाउंट स्टेटमेंट जब्त किए हैं।

लोन चुकाने में लगाई गबन की रकम

जांच में यह भी पुष्टि हुई है कि उसने लगभग 40 लाख रुपये शेयर मार्केट में गंवाए थे और गबन की गई रकम का उपयोग लोन चुकाने के लिए किया। अकलतरा पुलिस ने आरोपी संदीप कुमार मिरी के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया और न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। मामले की आगे की जांच जारी है।

महिला विवाद में बिगड़ रहा था माहौल, सुरगी पुलिस ने दो आरोपियों को भेजा जेल

राजनांदगांव। महिला और उसके बच्चे को लेकर चल रहे विवाद ने ऐसा तनाव पैदा किया कि इलाके में कानून व्यवस्था बिगड़ने की आशंका गहरा गई, लेकिन सुरगी पुलिस ने समय रहते कार्रवाई कर माहौल बिगाड़ने वाले दोनों आरोपियों को सलाखों के पीछे पहुंचा दिया। राजनांदगांव जिले की पुलिस चौकी सुरगी क्षेत्र में एक महिला और उसके बच्चे को बहला-फुसलाकर ले जाने के मामले में पुलिस दस्तयाबी की कार्रवाई कर रही थी। इसी दौरान आरोपी पक्ष द्वारा महिला और उसके परिजनों के साथ जमकर वाद-विवाद किया गया। हालात इतने तनावपूर्ण हो गए कि क्षेत्र में शांति भंग होने और किसी भी समय संज्ञेय अपराध होने की संभावना बन गई।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल हस्तक्षेप किया और असामाजिक गतिविधियों में शामिल सूरज कुमार सोरी पिता स्वर्गीय चमरा राम सोरी उम्र 30 वर्ष तथा प्रकाश सोरी पिता स्वर्गीय चमरा राम सोरी उम्र 27 वर्ष निवासी ग्राम कोटेरा थाना डोंडीलोहारा जिला बालोद को हिरासत में लिया। पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन और नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली जैन के पर्यवेक्षण में हुई इस कार्रवाई के दौरान दोनों आरोपियों के खिलाफ धारा 170 बीएनएसएस के तहत गिरफ्तारी की गई। न्यायालय से जेल वारंट जारी होने के बाद दोनों आरोपियों को जिला जेल राजनांदगांव भेज दिया गया।

नशा करने से रोका तो परिवार पर चाकू से किया हमला पुलिस ने आरोपी पिता-पुत्र को हिरासत में लिया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के पारस नगर इलाके में देर रात मामूली विवाद खूनी झड़प में बदल गया। घर के सामने नशा करने से मना करने पर बदमाश साहिल खान और उसके पिता इस्माइल ने एक ही परिवार के तीन लोगों पर चाकू से हमला कर दिया।

हमले में अरुण साहू, उनकी पत्नी रजनी साहू और बेटे अनुज साहू घायल हो गए। बताया जा रहा है कि अरुण साहू और उनके बेटे अनुज साहू की हालत गंभीर बनी हुई है। सभी घायलों को इलाज के

लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

स्थानीय लोगों के मुताबिक आरोपी इलाके में नशा कर रहे थे। इसका विरोध करने पर दोनों पक्षों के बीच विवाद हो गया। देखते ही देखते मामला बढ़ गया और आरोपियों ने चाकू निकालकर हमला कर दिया।

पुलिस ने आरोपियों को लिया हिरासत में

घटना की सूचना मिलते ही गंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची। गंज थाना पुलिस के साथ एडीसीपी सेंट्रल और एसीपी कोतवाली समेत अन्य अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने आरोपी साहिल खान और उसके पिता इस्माइल को हिरासत में ले लिया है। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

स्कूल जा रहे बच्चे को पानी टैंकर ने कुचला, तड़पकर गई जान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में स्कूल जा रहे 15 साल के बच्चे को पानी टैंकर ने कुचल दिया। हादसे में उसकी मौत हो गई। इसका सीसीटीवी फूटेज भी सामने आया है, हादसा सडडू स्कूल के पास हुआ। गाड़ी के चक्के चढ़ने के बाद भी बच्चा उठकर खड़ा हुआ था, हालांकि वह फिर गिरा और दम तोड़ दिया।

जानकारी के मुताबिक, मंगलवार (26 मई) को महावीर शर्मा सड़क किनारे पैदल बैग टांगे स्कूल जा रहा था, तभी तेज रफ्तार

टैंकर वहां से गुजरा और उसके ऊपर गाड़ी चढ़ाते हुए आगे बढ़ गया। घटना विधानसभा थाना क्षेत्र की है। महावीर सडडू इलाके का ही रहने वाला है। वहीं टैंकर ड्राइवर फरार है।

घटना के बाद भागा ड्राइवर

हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास के लोग दौड़कर पहुंचे, लेकिन तब तक बच्चे की मौत हो चुकी थी। घटना के बाद टैंकर चालक गाड़ी लेकर फरार हो गया।

सडडू इलाके में रहता है बच्चा

पुलिस ने इलाके के और सीसीटीवी फूटेज खंगालने शुरू किए हैं। सामने आए वीडियो में हादसे से कुछ सेकेंड पहले एक बाइक सवार भी नजर आ रहा है। पुलिस को शक है कि बाइक की हलचल के कारण बच्चा अचानक टैंकर के सामने आ गया हो।

ड्राइवर की तलाश में जुटी पुलिस

जांच में यह भी सामने आया है कि हादसे के बाद सबसे पहले वही अज्ञात बाइक सवार मौके पर पहुंचा था। महावीर शर्मा सडडू के एलआईजी सेक्टर-1 का रहने वाला है। पुलिस फरार टैंकर और चालक की तलाश में जुटी हुई है।

एसीबी ने मारी रेड, जेई और लाइनमैन रिश्वत लेते गिरफ्तार

मनेन्द्रगढ़। एंटी करप्शन ब्यूरो ने एमसीबी जिले में कार्रवाई की है। यहां बिजली कनेक्शन के लिए रिश्वत की शिकायत मिलने पर एसीबी ने बिजली विभाग के कनिष्ठ अभियंता मनीष कुमार बजाज को 9 हजार 500 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। डोमनापारा में रहने वाले रमेश कुमार ने घरेलू बिजली कनेक्शन के लिए आवेदन किया था। आरोप है कि कनिष्ठ अभियंता मनीष कुमार बजाज और लाइनमैन राकेश शुक्ला ने कनेक्शन लगाने के एवज में दस हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी। दोनों ने कहा था कि घर तक बिजली लाइन खींचने और कनेक्शन जारी करने में खर्च आता है, इसलिए पैसे देने होंगे। पीड़ित रमेश कुमार ने मामले की शिकायत अंबिकापुर स्थित एसीबी कार्यालय में की। शिकायत की पुष्टि के बाद एसीबी टीम ने योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई की।

प्रमुख खबरें

पूरा हुआ शांति का वर्षों पुराना सपना, मिली पक्के घर की चाबी

कोरबा। सुशासन तिहार के दौरान शहर के इमलीडुग्गू की शांति गवेल का वर्षों पुराना पक्के घर का सपना साकार हुआ। उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत नए आवास की चाबी प्रदान की गई। श्रीमती गवेल का सपना था कि उनका अपना एक सुरक्षित और सम्मानजनक घर हो। वे कच्चे मकान में रहती थीं। बरसात के मौसम में घर की स्थिति और अधिक चुनौतीपूर्ण हो जाती थी। तेज बारिश के दौरान पानी टपकने से रातभर चिंता बनी रहती थी। बच्चों और परिवार की सुरक्षा को लेकर वे हमेशा चिंतित रहती थीं। बावजूद इसके उन्होंने बेहतर जीवन की उम्मीद कभी नहीं छोड़ी।

अत्यधिक गर्मी से हुई चमगादड़ों की मौत, डरने की जरूरत नहीं

कोरबा। पंचायत पाली क्षेत्र स्थित नौकोनिया तालाब के समीप प्रवासी चमगादड़ों की मृत्यु को लेकर सोशल मीडिया और कुछ माध्यमों पर प्रसारित हो रही खबरों का जिला प्रशासन और पशुधन विकास विभाग ने खंडन किया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि क्षेत्र में किसी भी प्रकार की महामारी या संक्रामक बीमारी फैलने की अफवाहें पूरी तरह निराधार हैं। पशुधन विकास विभाग द्वारा जारी आधिकारिक प्रतिवेदन के अनुसार विगत तीन दिनों के दौरान क्षेत्र में पड़ रही भीषण गर्मी के कारण लगभग 200 चमगादड़ों की मृत्यु हुई है। मृत चमगादड़ों के किए गए प्रारंभिक शव परीक्षण में प्रथम दृष्टया अत्यधिक तापमान को ही मृत्यु का मुख्य कारण माना गया है। किसी भी अज्ञात वायरस या संक्रमण के लक्षण नहीं पाए गए हैं। पशुधन और वन विभाग की संयुक्त टीम ने सूचना मिलते ही मौके पर मोर्चा संभाल लिया था।

मोर गांव - मोर पानी का दिखने लगा परिणाम

मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में जल संरक्षण बना जनआंदोलन, 46 हजार से अधिक महिलाएं जुड़ीं

श्रीकंचनपथ समाचार

राजनांदगांव। सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले में जल संरक्षण एवं भूजल संवर्धन को जनआंदोलन का स्वरूप देने की दिशा में जिला प्रशासन द्वारा व्यापक अभियान संचालित किया जा रहा है। कृषि विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग तथा स्व-सहायता समूहों के संयुक्त प्रयास से जिलेभर में जनजागरूकता गतिविधियां आयोजित कर ग्रामीणों एवं किसानों को वर्षा जल संचयन, भूजल पुनर्भरण और जल संरक्षण तकनीकों के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

अभियान के तहत जिले में अब तक 1000 से अधिक '5 प्रतिशत मॉडल' तैयार किए जा चुके हैं, जिनके माध्यम से गांव-गांव तक जल संरक्षण का संदेश पहुंचाया जा रहा है। इस अभियान में जिले की 46 हजार 527 स्व-सहायता समूह की महिलाएं सक्रिय भागीदारी निभा रही हैं। प्रत्येक समूह की दीदी द्वारा दो-दो ट्रेंच निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिससे बड़े पैमाने पर जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण हो रहा है। किसानों के खेतों के कोनों में 1 मीटर म 1 मीटर आकार एवं 2 फीट गहराई के ट्रेंच तैयार किए जा रहे हैं। इन ट्रेंचों में वर्षा जल संग्रहित होकर धीरे-धीरे जमीन में समाहित होगा, जिससे भूजल स्तर में वृद्धि, मिट्टी में नमी संरक्षण तथा कृषि उत्पादन में सुधार की संभावना बढ़ेगी।

जिला प्रशासन द्वारा उन ग्राम पंचायतों को विशेष रूप से चिन्हित किया जा रहा है, जहां भूजल स्तर अत्यंत कम है। ऐसे क्षेत्रों के लिए पृथक कार्ययोजना तैयार कर स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण किया जाएगा, ताकि जल संकट का स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

कलेक्टर तुलिका प्रजापति ने कहा कि वर्तमान समय में जल संरक्षण सबसे महत्वपूर्ण है। यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। आज किया गया छोटा प्रयास भविष्य में बड़े परिणाम देगा। जल संरक्षण को जनआंदोलन बनाकर आने वाली पीढ़ियों के लिए जल संसाधनों को सुरक्षित रखा जा सकता है।

जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने कहा कि खेत का पानी खेत में और गांव का पानी गांव में रोकने के उद्देश्य से बड़े पैमाने पर ट्रेंच निर्माण कराया जा रहा है, जो जिले में जल सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा।

जिला प्रशासन ने सभी लोगों से इस अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील की है।

ओजस्वी सरगुजा : 55 मेधावी विद्यार्थी नीट-जेईई की तैयारी के लिए रवाना

■ पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने बसों को दिखाई हरी झण्डी

श्रीकंचनपथ समाचार

सरगुजा। जिले के मेधावी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को नई दिशा देने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा ओजस्वी सरगुजा योजना के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण और दूरदर्शी पहल की गई है। इस अभिनव योजना के तहत शासकीय विद्यालयों के 10वीं बोर्ड परीक्षा-2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले चयनित विद्यार्थियों को नीट एवं जेईई जैसी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु रायपुर भेजा गया है।

जिला खनिज संस्थान न्यास के वित्तीय सहयोग से संचालित इस योजना के अंतर्गत चयनित विद्यार्थियों को रायपुर स्थित प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थान एलेन कैरियर इंस्टिट्यूट में निःशुल्क आवासीय कोचिंग प्रदान की जाएगी।

इस अवसर पर अभिनंदन कार्यक्रम में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने विद्यार्थियों एवं उनके पालकों को संबोधित किया और तीन बसों को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया।

मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि जिन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को नीट एवं जेईई की तैयारी के लिए भेजा जा रहा है, वे आने वाले समय में डॉक्टर, इंजीनियर एवं राष्ट्र निर्माता बनकर न केवल अपने परिवार और जिले बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करेंगे। यह यात्रा केवल रायपुर तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उनके सपनों, संघर्षों और सफलता की यात्रा है।

विशेष पिछड़ी जनजाति के पांच विद्यार्थी शामिल

श्री अग्रवाल ने कहा कि इस योजना के अंतर्गत विशेष पिछड़ी जनजाति वर्ग के पांच विद्यार्थियों का चयन होना एक बड़े सामाजिक परिवर्तन का संदेश है। सीमित संसाधनों एवं दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों से निकलकर इन बच्चों ने यह सिद्ध कर दिया है कि प्रतिभा कभी परिस्थितियों की मोहताज नहीं होती। उन्होंने जिला प्रशासन की इस अभिनव पहल की सराहना की। योजना के अंतर्गत कुल 55 विद्यार्थियों का चयन किया गया है। इनमें मेरिट सूची एवं आरक्षण रोस्टर के आधार पर 50 विद्यार्थियों का एवं विशेष पिछड़ी जनजाति वर्ग के 5 विद्यार्थियों को भी अवसर प्रदान किया गया।

सुशासन तिहार : मंत्री दयालदास ने झांकी शिविर में हितग्राहियों को सौंपी सर्टिफिकेट, कार्ड और चाबियां

श्रीकंचनपथ समाचार

नवागढ़। सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत नवागढ़ विकासखंड के ग्राम पंचायत झांकी स्थित शासकीय हाई स्कूल मैदान में आयोजित जन समस्या निवारण शिविर में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री दयाल दास बघेल ने विभिन्न विभागों की योजनाओं के अंतर्गत हितग्राहियों को सामग्री, प्रमाण पत्र एवं कार्ड वितरित किए।

जनपद पंचायत नवागढ़ अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत श्री बघेल ने हितग्राही दिलेश्वरी, राजकुमारी एवं सावित्री को उनके नए पक्के आवास की चाबी प्रदान की।

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मंत्री श्री बघेल ने नोनी सुरक्षा योजना अंतर्गत 4 हितग्राहियों को कार्ड वितरित किए। वहीं सुकन्या योजना के तहत 4 हितग्राहियों को कार्ड प्रदान कर बालिकाओं के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। साथ ही आंगनबाड़ी केंद्रों से कक्षा पहली में प्रवेश लेने वाले 4 बच्चों को विद्यारंभ प्रमाण पत्र वितरित किए गए। मछली पालन विभाग द्वारा ग्राम गनिया के सतरंगी स्व सहायता समूह को आजीविका संवर्धन हेतु मछली पकड़ने का जाल प्रदान किया गया।

खाद्य विभाग द्वारा 2 हितग्राहियों को राशन कार्ड वितरित किए गए। स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से 5 हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड एवं टीबी मरीजों के लिए 3 फूड बास्केट वितरित किए गए। इसी प्रकार राजस्व विभाग द्वारा 5 हितग्राहियों को डिजिटल किसान किताब एवं स्वामित्व प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय में उत्कृष्ट एवं प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए।

श्री दयाल दास बघेल ने कहा कि शासन की मंशा अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ सरलता से पहुंचाना है। सुशासन तिहार के माध्यम से प्रशासन स्वयं गांवों तक पहुंचकर लोगों की समस्याएं सुन रहा है और उनका निराकरण कर रहा है।

पीएम आवास में राशि मांगने के मामले में शिक्षक को नोटिस जारी

रायपुर। जांजगीर-चांपा जिले के ग्राम पंचायत पचरी में प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों से राशि मांगने संबंधी वायरल ऑडियो मामले को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने संज्ञान लिया है। मामले में स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय नवागढ़ के व्यायाम शिक्षक नलसाय दिवाकर को जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। वायरल ऑडियो को श्री दिवाकर ने स्वयं का होना स्वीकार किया है। जांच के दौरान हितग्राहियों एवं अन्य व्यक्तियों के बयान में पंचायत कार्यों में हस्तक्षेप तथा प्रधानमंत्री आवास योजना के नाम पर राशि मांगने की बात प्रथम दृष्टया सही पाई गई। प्रकरण में उल्लेख किया गया है कि शासकीय सेवक रहते हुए पंचायत कार्यों में हस्तक्षेप करना अनुचित एवं अनुशासनहीनता है।

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने किया 'मित्र मिलन' चौपाटी का लोकार्पण, फुटकर व्यापारियों को मिलेगा स्थायित्व

श्रीकंचनपथ समाचार

कवर्धा। शहरवासियों को एक बड़ी सौगात देते हुए उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने नगर के हृदय स्थल में नवनिर्मित मित्र मिलन चौपाटी का लोकार्पण किया। इस अत्याधुनिक चौपाटी के प्रारंभ होने से नागरिकों को विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजन एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगे। यह स्थल खानपान के साथ-साथ परिवारों और मित्रों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताने के लिए एक प्रमुख आकर्षक केंद्र बनेगा। चौपाटी परिसर में रंग-रोगन, आधुनिक सजावट, रंग-बिरंगी लाइटिंग, सुव्यवस्थित पार्किंग, शुद्ध पेयजल और सर्वसुविधायुक्त शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाएं भी सुनिश्चित की गई हैं।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि मित्र मिलन चौपाटी शहर के परिवारों के लिए एक बेहतरीन गंतव्य साबित होगी। इस पहल की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि जो छोटे फुटकर व्यवसायी पहले सड़कों और चौक-चौराहों पर असुरक्षित ढंग से गुमटी लगाकर व्यवसाय करने को मजबूर थे, उन्हें अब एक स्थायी और सुरक्षित स्थान उपलब्ध कराया गया है। इससे न केवल उनका स्वरोजगार सुरक्षित होगा, बल्कि उनके जीवन स्तर में भी सुधार आएगा।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि कवर्धा शहर तेजी से आधुनिकता और विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने शहर में जारी विभिन्न परियोजनाओं का विवरण साझा किया। पूर्ण हो चुके प्रमुख कार्यों में वीर स्तंभ चौक, शिवाजी चौक का सौंदर्यीकरण कार्य प्रमुख हैं।

भोरमदेव कॉरिडोर और मेडिकल कॉलेज का निर्माण कार्य तीव्र गति से जारी, भोजली तालाब पाथवे का चौड़ीकरण, हनुमंत वाटिका का निर्माण, ठाकुरदेव चौक से बस स्टैंड तक सुगम पहुंच मार्ग प्रगतिरत है। बाईपास को जोड़ने के लिए 10 करोड़ रुपये की लागत से गौरव पथ का निर्माण किया जा रहा है।

बस्तर आवासीय खेल अकादमी में प्रवेश का ट्रायल 28-29 मई को

जगदलपुर। बस्तर संभागीय मुख्यालय जगदलपुर में प्रारंभ हो रहे अंचल के पहले आवासीय खेल अकादमी में प्रवेश के लिए 28 मई और 29 मई को चयन ट्रायल का आयोजन किया जा रहा है। धरमपुरा क्रीड़ा परिसर में आयोजित ट्रायल में 13 वर्ष से 17 वर्ष आयु वर्ग के बालक हिस्सा ले सकते हैं। चयनित बच्चों को तीरंदाजी, फुटबॉल और एथलेटिक्स के बड़े स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार किया जाएगा। इच्छुक बच्चों को आयु प्रमाण पत्र, शैक्षणिक प्रमाण पत्र और खेल उपलब्धियों के प्रमाण पत्र के साथ उपस्थित होने कहा गया है। 28 मई को सवेरे सात बजे से खिलाड़ियों का पंजीयन, दस्तावेज सत्यापन, मेडिकल और शारीरिक दक्षता का परीक्षण किया जाएगा। दूसरे दिन 29 मई को खेल कौशल का परीक्षण किया जाएगा। चयनित खिलाड़ियों को आवासीय अकादमी में निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा।

पर्यटन संभावनाओं से भरपूर छत्तीसगढ़ ने ली अंगड़ाई

मांझीपाल बना छत्तीसगढ़ का नया इको-टूरिज्म हब, 'बैम्बू राफ्टिंग' और 'होम-स्टे' बने आकर्षण

श्रीकंचनपथ समाचार

जगदलपुर। प्रकृति की अनुपम छटा, जनजातीय संस्कृति की आत्मीयता और रोमांच से सराबोर बस्तर अंचल का खूबसूरत ग्राम मांझीपाल आज छत्तीसगढ़ के सबसे तेजी से उभरते इको-टूरिज्म केंद्रों में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है। कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र में स्थित यह मनोरम स्थल अपने घने जंगलों, स्वच्छ कांगेर नदी और ग्रामीण परिवेश की सादगी के कारण देश-विदेश के सैलानियों के आकर्षण का केंद्र बन गया है।

छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल द्वारा बस्तर में इको-टूरिज्म, ग्रामीण और सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए की गई विशेष पहल का ही परिणाम है कि आज मांझीपाल वैश्विक मानचित्र पर चमक रहा है। इस मॉडल से न केवल पर्यटन को बढ़ावा मिल रहा है, बल्कि स्थानीय समुदायों को रोजगार और आत्मनिर्भरता के नए अवसर भी प्राप्त हो रहे हैं।

'आमचो लाड़ी' होमस्टे, विदेशी मेहमानों को भा रही बस्तर की आत्मीयता

मांझीपाल में स्थित 'आमचो लाड़ी' होमस्टे आज बस्तर की पारंपरिक संस्कृति और ग्रामीण जीवनशैली को करीब से समझने का सबसे लोकप्रिय माध्यम बन गया है। अपनी अनूठी और आत्मीय मेजबानी, बस्तरिया व्यंजनों के स्वाद और पारंपरिक परिवेश के कारण यह होमस्टे विदेशी पर्यटकों के बीच भी तेजी से अपनी पैठ बना रहा है। आधुनिक शहरों की भागदौड़ से दूर यहाँ आने वाले पर्यटक स्थानीय रीति-रिवाजों को जीते हैं, जंगल का आनंद लेते हैं, बर्ड वॉचिंग करते हैं और बस्तर के पारंपरिक जीवन के साथ आत्मिक जुड़ाव महसूस करते हैं।

सामुदायिक पर्यटन से स्थानीय युवाओं को मिल रहा रोजगार

राज्य सरकार की कम्युनिटी-बेस्ड टूरिज्म (सामुदायिक सहभागिता आधारित पर्यटन) नीति का सीधा और सकारात्मक असर अब बस्तर के ग्रामीण अंचलों में देखने को मिल रहा है। मांझीपाल के पर्यटन हब बनने से स्थानीय आदिवासी युवाओं को प्रोफेशनल टूरिस्ट गाइड, राफ्टिंग संचालक, होमस्टे प्रबंधन और बस्तरिया हस्तशिल्प (हैंडीक्राफ्ट) की बिक्री के जरिए सीधे तौर पर स्थायी रोजगार मिल रहा है। इससे न केवल पलायन पर रोक लगी है, बल्कि जनजातीय परंपराओं और स्थानीय विरासत के संरक्षण को भी एक नई दिशा मिली है। पर्यटन का विकास होने पर नया इकोसिस्टम बनेगा।

कांगेर नदी में बैम्बू राफ्टिंग बना रोमांचक गतिविधियों का केंद्र

मांझीपाल की सबसे बड़ी यूएसपी यहाँ बहने वाली निर्मल कांगेर नदी है। नदी की शांत जलधारा में स्थानीय आदिवासियों द्वारा तैयार पारंपरिक बांस की नावों पर होने वाली बैम्बू राफ्टिंग पर्यटकों को बेहद रोमांचित कर रही है। राफ्टिंग के दौरान सैलानी घने जंगलों की हरियाली, नदी के किनारों की प्राकृतिक सुंदरता और दुर्लभ पक्षियों की चहचहाहट के बीच प्रकृति को बेहद करीब से महसूस करते हैं। यह गतिविधि केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह बस्तर के जनजातीय समुदायों की पारंपरिक जीवनशैली और प्रकृति के साथ उनके गहरे जुड़ाव को भी जीवंत करती है।

कैसे पहुँचें मांझीपाल

पर्यटकों के लिए मांझीपाल पहुँचना बेहद सुगम और आसान है। यह खूबसूरत पर्यटन स्थल जिला मुख्यालय जगदलपुर से मात्र 35 से 40 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। निजी कार या हायर्ड टैक्सी से जाया जा सकता है। जगदलपुर से दरभा मार्ग होते हुए बेहतरीन पक्की सड़क द्वारा निजी वाहन या स्थानीय टैक्सी से यहाँ आसानी से पहुँचा जा सकता है। निकटतम रेलवे स्टेशन और हवाई अड्डा भी जगदलपुर में ही स्थित है, जिससे देश के किसी भी कोने से यहाँ का आगमन सुलभ हो जाता है। प्रकृति संरक्षण, ग्रामीण विकास और आत्मनिर्भर पर्यटन मॉडल का बेहतरीन उदाहरण पेश करता मांझीपाल आज सिर्फ एक घूमने की जगह नहीं, बल्कि बदलते बस्तर की एक नई और गौरवशाली पहचान बन चुका है।

नारायणपुर जीएनएम प्रशिक्षण केन्द्र की 90 फीसद पासआउट्स को मिला प्लेसमेंट

3 वर्षीय आवासीय डिप्लोमा कोर्स से स्थानीय युवाओं को मिल रहा रोजगार का बेहतर अवसर

श्रीकंचनपथ समाचार

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने और स्थानीय युवाओं को नर्सिंग शिक्षा से जोड़ने के उद्देश्य से संचालित जीएनएम प्रशिक्षण केंद्र आज क्षेत्र में शिक्षा और रोजगार का एक सशक्त माध्यम बन चुका है। यह संस्थान न केवल जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूती दे रहा है, बल्कि स्थानीय बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

उल्लेखनीय है कि नारायणपुर में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए वर्ष 2014 में सबसे पहले एएनएम प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना की गई थी। बाद में, क्षेत्र की बढ़ती आवश्यकताओं और बेहतर चिकित्सा सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए वर्ष 2017 में इस संस्थान का उन्नयन कर इसे जीएनएम प्रशिक्षण केंद्र के रूप में संचालित किया जाने लगा।

वर्तमान में इस प्रशिक्षण केंद्र में कुल 40 सीटों पर प्रवेश की व्यवस्था है, जहां हर साल अक्टूबर-नवंबर माह में नया शैक्षणिक सत्र शुरू होता है। यह 3 वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम है। प्रवेश के लिए अभ्यर्थियों का 12वीं (विज्ञान विषय) उत्तीर्ण होना और न्यूनतम आयु 18 वर्ष होना अनिवार्य है। ज्ञात हो कि यह केंद्र पूर्णत: आवासीय है, जहां वर्तमान में 108 छात्राएं रहकर पढ़ाई कर रही हैं। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की छात्राओं के लिए शासन द्वारा छात्रवृत्ति (स्कॉलरशिप) की सुविधा भी दी जा रही है।

90 फीसदी छात्राओं को मिला रोजगार

संस्थान की सफलता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वर्ष 2017 से लेकर सत्र 2023-24 तक यहाँ से कुल 182 विद्यार्थी सफलतापूर्वक उत्तीर्ण हो चुके हैं। गर्व की बात यह है कि इनमें से लगभग 90 प्रतिशत विद्यार्थी वर्तमान में विभिन्न शासकीय, अर्धशासकीय एवं निजी चिकित्सा संस्थानों में स्टाफ नर्स के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। जीएनएम के बाद छात्राएं आगे बीएससी नर्सिंग कर सकती हैं। इसके बाद वे बड़े अस्पतालों में नर्सिंग ऑफिसर, नर्सिंग ट्यूटर और एम्स जैसे देश के प्रतिष्ठित संस्थानों में सेवाएं देने के लिए पात्र हो जाती हैं। यह संस्थान स्वास्थ्य शिक्षा के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950